मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार , 13 जून 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 13 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 269 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ आईवीएफः पचास के बाद अभिभावक और बच्चे का भविष्य

समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी, तभी दर्शकों से जुड़ी रहेंगी फिल्में : कंगना रनौत ◀◀ 6

पलामू के चार लोगों की यूपी सड़क हादसे में मौत, एक गंभीर

- कार और ट्रक के बीच आमने-सामने हुई टक्कर
- किछौछा शरीफ से लौट रहे थे सभी
- सभी लोग डाल्टेनगंज से डेहरी एक बारात में शामिल होने गए थे

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगरः उत्तर प्रदेश में हुए भीषण सड़क हादसे में पलामू जिले के मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। यूपी के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के पास कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में भीषण सड़क हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, सभी लोग डाल्टेनगंज से डेहरी में एक बारात में शामिल होने गए थे। बारात संपन्न होने के बाद वे किछौछा शरीफ से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी कार की एक ट्रक से आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में मेदिनीनगर के प्रसिद्ध किताब घर के संचालक हाफिज रज्जाक, कैश अंसारी, शोहराब राईन तथा कार चालक शामिल हैं। वहीं, एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। घटना की खबर मिलते ही डाल्टनगंज में शोक की लहर दौड़ गई।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

घटना की खबर जैसे ही डाल्टनगंज पहुंची, मृतकों के परिजनों और शुभचिंतकों में कोहराम मच गया। शहर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों की मगफिरत और परिजनों को सब्र प्रदान करने की दुआ की है।

पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

मेदिनीनगर /पलामूः सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा चौक के पास शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार रामरेखा पासवान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पोखराहा गांव के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

कार और मोटरसाइकिल की भीषण टक्कर में दो युवको की मौत

लातेहारः सदर थाना क्षेत्र के खुटगड़ी गांव के पास शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी। इस घटना में मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गइ। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। मृतकों की पहचान बीरेंद्र लोहरा और सुरेंद्र लोहरा के रूप में हुई है. दोनों चंदवा थाना क्षेत्र के मूर्तिया गांव के रहने वाले हैं.

शनिवार को मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक सरयू से लातेहार की ओर आ रहे थे। इसी दौरान खुटगड़ी गांव के पास मुख्य पथ पर विपरीत दिशा से आ रही कार से मोटरसाइकिल की भीषण टक्कर हो गई।टक्कर इतनी गंभीर थी कि मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. हालांकि घटना के बाद कार सवार लोगों को भी चोट आई.

घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर से राहत कार्य आरंभ किए। कार के नीचे दबे मोटरसाइकिल सवार युवकों को बाहर निकाला गया। परंतु तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। बाद में स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में लग गयी। मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक हेलमेट नहीं पहना थ। जिस कारण दुर्घटना के बाद उनके सिर में गंभीर चोट आई। सिर में चोट आने के कारण ही उनकी मौत हुई है, ऐसी संभावना जताई जा रही है।

सरकार के 12 साल पूरे होने पर पीएम मोदी का बयान

'युवाओं के नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ रहा भारत'

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देश के युवाओं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के विजन को लेकर एक बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार 'युवाओं के नेतृत्व वाले विकास' की दिशा में मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने 'पिछले 12 वर्षों' को भारतीय युवाओं के आत्मविश्वास में आए क्रांतिकारी बदलाव का दौर बताया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता संभालने के साथ ही देश के संसदीय इतिहास में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया है। मोदी ने यह भी कहा कि भारत के युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे कई क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि भारत के युवा उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राजग सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक प्रमुख विशेषता यह रही है कि भारत के युवाओं का अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रति आत्मविश्वास बढ़ा है। मोदी सरकार के सत्ता में 12 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी पहलों से एक ऐसा परिवेश बना है जो नवोन्मेष, उद्यमिता और उद्यम को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप केंद्रों में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से। मोदी ने कहा कि भारतीय युवाओं ने खेल और कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है और युवा भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार देश का मान बढ़ाया है।

असम के जोरहाट एयरबेस पर बड़ा हादसा

वायुसेना का एएन-32 विमान क्रैश, दो हिस्सों में बंटा

नई दिल्लीः भारतीय वायु सेना का एएन-32 विमान असम के जोरहाट एयरबेस पर हादसे का शिकार हो गया है। विमान में लैंडिंग के बाद आग लग गई। एयरबेस पर मौजूद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि विमान लैंडिंग स्ट्रिप पर लैंड नहीं कर सका था, बल्कि एयरबेस की उबड़-खाबड़ और घास वाले हिस्से में उसकी लैंडिंग हुई।

जानकारी के अनुसार वायु सेना का ये विमान अपनी नियमित उड़ान पर था। जोरहाट एयरबेस पर लैंडिंग के समय विमान में धमाका हुआ और आग लग गई। इसके बाद विमान बीच से दो हिस्सों में बंट गया। विमान में सवार क्रू और अन्य वायु सैन्य कर्मियों की स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। भारतीय वायुसेना घटना की जांच में जुट गई है। यह एयरक्राफ्ट एएन-31 कार्गो प्लेन था, जिसका इस्तेमाल सामान पहुंचाने के लिए किया जाता था. यह हादसा तब हुआ जब एयरक्राफ्ट एयरबेस पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था। आईएएफ ने कहा कि घटना स्थल पर बचाव और जांच का काम चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने पत्नी संग दिउड़ी मंदिर में की पूजा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन के साथ तमाड़ स्थित प्राचीन शक्तिपीठ सोलहभुजी माँ दिउड़ी मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में माता रानी की विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त राज्य वासियों की सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी संग पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार पूजा-अर्चना करते हुए माता रानी के दरबार में मत्था टेक आशीर्वाद लिया। पूजन कार्य धार्मिक पुरोहित मनोज पंडा एवं मुख्य पाहन सुखराम द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न कराया गया। मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना मिलते ही आस-पास क्षेत्र के ग्रामीणों की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को अपने बीच पाकर लोग काफी उत्साहित नजर आए।

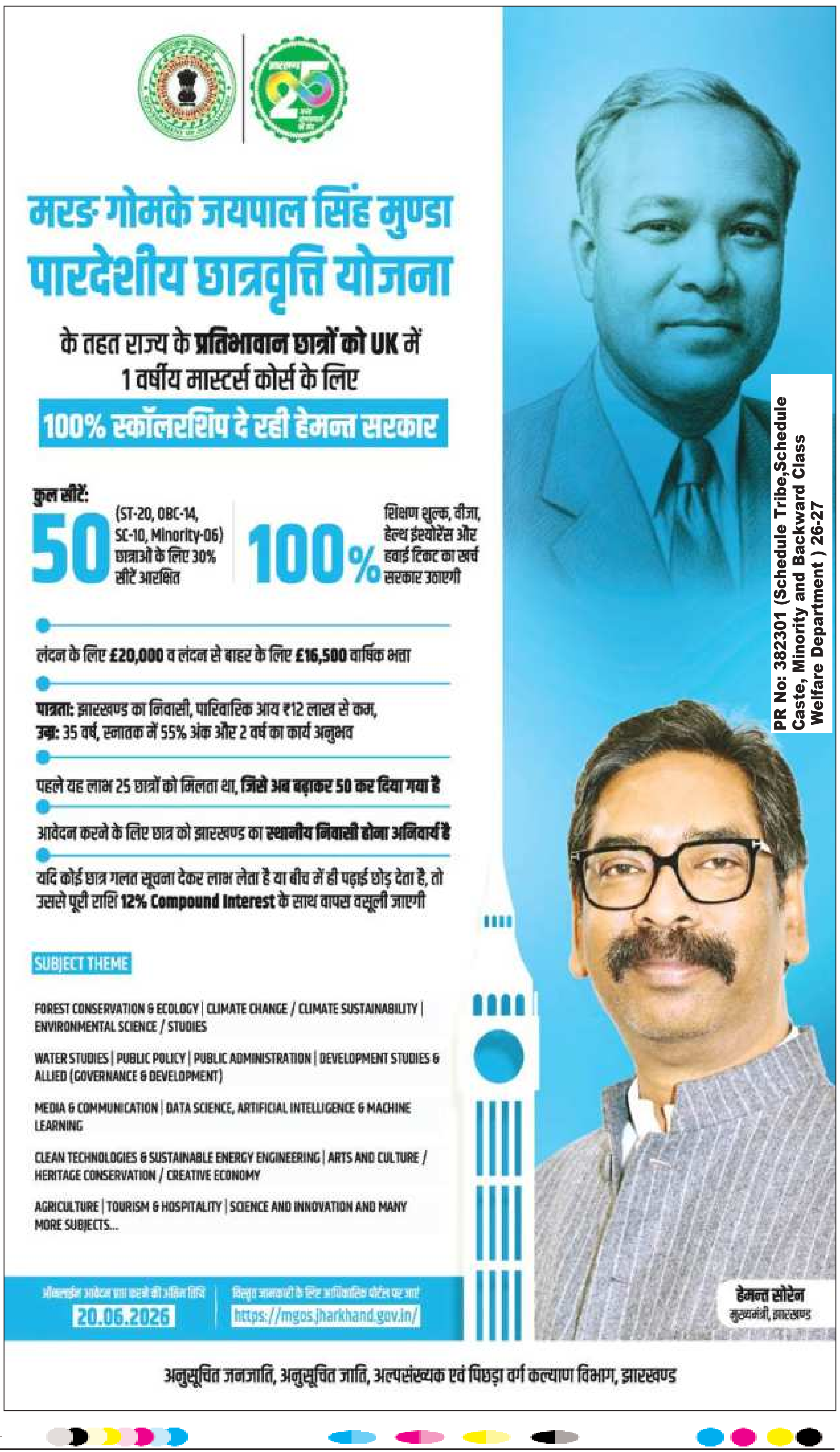

समाचार सार

दुर्घटना को दावत दे रहे सूखे और सड़क पर झूलते पेड़ ,कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

चतरा: गया-चतरा मुख्य मार्ग पर डीएवी स्कूल के समीप स्थित चिमटी रेस्टोरेंट के बगल में सड़क किनारे खड़े सूखे और झूलते पेड़ राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। यहां दो विशालकाय सूखे पेड़ तथा एक आम का पेड़ सड़क के ऊपर तक झूल रहा है, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों और होटल संचालक के अनुसार, कई बार बस, कार और दोपहिया वाहन इन पेड़ों की चपेट में आ चुके हैं। हाल ही में सड़क पर झूलता एक पेड़ अचानक सड़क पर गिर पड़ा। संयोग अच्छा रहा कि उसी समय गयाजी की ओर जा रही एक यात्री बस कुछ सेकेंड पहले वहां से गुजर चुकी थी। यदि बस की रफ्तार थोड़ी धीमी होती और वह दो सेकेंड बाद वहां पहुंचती, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात और तेज हवा के दौरान सूखे पेड़ की टहनियां टूट टूटकर न सिर्फ गिरती रहती है बल्कि सड़क पर झूलते पेड़ के उखड़क सड़क पर गिर जाने का खतरा भी बना रहता है। बावजूद इसके अब तक संबंधित विभाग द्वारा इन्हें हटाने की कोई ठोस पहल नहीं की गई है। होटल संचालक प्रिंस कुमार समेत स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से अविलंब कार्रवाई करते हुए सूखे एवं सड़क पर झूल रहे पेड़ों को हटाने की मांग की है, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से पहले लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन ने समय रहते ध्यान नहीं दिया तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

चार माह बाद भी नहीं सुलझी मदन प्रसाद सिन्हा हत्याकांड की गुत्थी

चतरा: जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में हुए चर्चित मदन प्रसाद सिन्हा हत्याकांड का चार माह बीत जाने के बाद भी उद्भेदन नहीं हो सका है। मामले में अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने और हत्या के कारणों का खुलासा नहीं होने से पीड़ित परिवार में निराशा बढ़ती जा रही है। वहीं पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। बताया जाता है कि 28 फरवरी 2026 को मदन प्रसाद सिन्हा का शव उनके ही घर से क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई थी। हत्या की इस वारदात ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान भी पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे थे और जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया था।घटना के बाद प्रतापपुर थाना में कांड संख्या 19/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। लेकिन चार महीने बीत जाने के बावजूद न तो हत्या की गुत्थी सुलझ पाई है और न ही किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी हो सकी है। इससे मृतक के परिजनों में पुलिस के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। मृतक के परिजन ज्ञानमबुध ने पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को आवेदन सौंपकर मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

पुलिस पर से उठ रहा भरोसा: परिजनों का कहना है कि यदि इतनी गंभीर हत्या की घटना का खुलासा चार माह बाद भी नहीं हो पाता है तो आम लोगों का पुलिस व्यवस्था से विश्वास उठना स्वाभाविक है। अब पूरे मामले में लोगों की निगाहें पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर टिकी है कि आखिर कब इस हत्याकांड का पदार्फाश होगा और पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा।

अवैध ट्रांसपोर्टिंग रोड के विरोध में ग्रामीणों का शक्ति प्रदर्शन,कंपनी के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

चतरा: टंडवा प्रखंड क्षेत्र के खधैया स्थित नगर भवन में जेएआरएल कंपनी के अवैध ट्रांसपोटिंग रोड के विरोध में आन्दोलितों ने अपना शक्ति प्रदर्शन करके जेएआरएल कंपनी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। विनय बिहारी शरण, मिस्त्रोल मुखिया सुबेष राम, जिला परिसद देवंती देवी सहित ग्रामीणों ने जेएआरएल कंपनी के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए कहा कंपनी दलालों को छोड़ दे और दलालों के झांसा में ना आए नही तो सहारा इंडिया के तर्ज पर दलालो कंपनी को डूबा देगी। कंपनी को सचेत करते हुए कहा कंपनी जुम्मा जुम्मा चार दिन वाले राजनीतिक के भरोसा ना रहे, न्यायालय में मामला चल गया हैं, जल्द अवैध निर्माण पर रोक लगाया जाएगा। न्यायालय पर भरोसा है कि अवैध निर्माण करने वाली कंपनी पर कानून जल्द लगाम लगाएगी।

सीपीआईएम ने हंटरगंज में निकाला विशाल विरोध मार्च

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, यानी सीपीआई(एम) के बैनर तले सैकड़ों कार्यकताओं ने विशाल विरोध मार्च निकालकर अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह मार्च हंटरगंज पानी टंकी से शुरू होकर बाजार होते हुए प्रखंड कार्यालय तक पहुंचा, जहां कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि भूमिहीन और गरीब परिवारों को वन भूमि पर पट्टा देने, किसानों को जमीन से बेदखली से बचाने, जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने पर उचित मुआवजा देने तथा मनरेगा को प्रभावी ढंग से लागू करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की लगातार अनदेखी की जा रही है।इसके अलावा किसानों के लिए सिंचाई हेतु सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने, मजदूरों को वर्ष में 200 दिनों का रोजगार देने तथा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 600 रुपये प्रतिदिन करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।सीपीआई(एम) नेताओं का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। जिसके बाद कार्यकताओं ने हंटरगंज प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं

संवाददाता

चतरा: समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आमजनों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। इस दौरान लोगों ने विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन एवं शिकायतें प्रस्तुत कीं।जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग समन्वय स्थापित करते हुए मामलों का गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें।उपायुक्त ने जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का विधिवत पंजीकरण कर उन्हें संबंधित विभागों को अविलंब प्रेषित किया जाए तथा उनके निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि शिकायतों का समाधान निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित हो सके।जनता दरबार में भूमि संबंधी मामले, पेयजल आपूर्ति, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सड़क निर्माण, भारतमाला परियोजना, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया।जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किया जाता है, जहां आमजन अपनी समस्याएं एवं शिकायतें सीधे जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय व विभिन्न आयोगों में लंबित वादों की समीक्षा, उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

चतरा: समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, लोकायुक्त एवं विभिन्न आयोगों में लंबित वादों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने विभिन्न न्यायालयों एवं आयोगों में लंबित मामलों की प्रगति, विभागीय कार्रवाई तथा न्यायालयों द्वारा निर्गत आदेशों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों में समयबद्ध एवं प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने तथा न्यायालयों एवं आयोगों द्वारा मांगी गई सूचनाएं एवं प्रतिवेदन निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि न्यायालयों एवं आयोगों से संबंधित मामलों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। सभी विभाग लंबित वादों की नियमित समीक्षा करें तथा संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु समन्वित रूप से कार्य करें। उन्होंने न्यायालयी मामलों में अद्यतन अभिलेख संधारण एवं समय पर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित विभागों को लंबित मामलों के प्रभावी निष्पादन एवं न्यायालयीय आदेशों के अनुपालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।बैठक में विधि शाखा प्रभारी विनय कुमार समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

दिल्ली में जनजातीय समागम की सफलता पर खूंटी में प्रेस वार्ता

जनजातीय पहचान और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को उठाया

खूंटी: जनजाति सुरक्षा मंच जिला खूंटी के तत्वावधान में शुक्रवार को पिड़ीटोली स्थित जिला कार्यालय में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में 24 मई 2026 को आयोजित जनजातीय सांस्कृतिक समागम-2026 की सफलता तथा उससे जुड़े विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संवैधानिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित यह समागम जनजातीय संस्कृति, परंपरा, आस्था और अस्मिता का एक विराट राष्ट्रीय आयोजन बनकर सामने आया। उन्होंने कहा कि देशभर के 500 से अधिक जनजातीय समुदायों से लाखों की संख्या में जनजातीय भाई-बहन पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, लोकनृत्य, वाद्य यंत्रों तथा सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ इस समागम में शामिल हुए।

प्रेस वार्ता में मंच की ओर से कहा गया कि जो व्यक्ति अपनी पारंपरिक जनजातीय आस्था, संस्कृति, रीति-रिवाज एवं सामाजिक आचरण का परित्याग कर देता है, उसे अनुसूचित जनजाति का संवैधानिक दर्जा तथा उससे जुड़े लाभ प्राप्त नहीं होने चाहिए। मंच के अनुसार जनजातीय समाज की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा और जीवन पद्धति से जुड़ी हुई है तथा इन मूल तत्वों का त्याग जनजातीय पहचान को प्रभावित करता है।

मंच के प्रतिनिधियों ने कहा कि विभिन्न न्यायिक निर्णयों में भी यह माना गया है कि यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन के बाद अपनी पारंपरिक जनजातीय संस्कृति, सामाजिक आचरण और जीवन पद्धति से पूरी तरह अलग हो जाता है, तो उसकी जनजातीय पहचान के प्रश्न की जांच सक्षम प्राधिकारियों द्वारा की जा सकती है। हालांकि व्यावहारिक स्तर पर प्रत्येक मामले को न्यायालय अथवा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष ले जाना आम जनजातीय व्यक्ति के लिए कठिन होता है। इसलिए इस विषय पर स्पष्ट, सरल एवं प्रभावी वैधानिक व्यवस्था बनाए जाने की आवश्यकता है। प्रेस वार्ता में यह भी जानकारी दी गई कि 28 मई 2026 को जनजाति सुरक्षा मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति से मुलाकात कर जनजातीय समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विधिक एवं संवैधानिक मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, लोकुर समिति के मानदंडों के अनुरूप अनुसूचित जनजाति की स्पष्ट वैधानिक परिभाषा निर्धारित की जाए। दूसरी, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 में आवश्यक संशोधन अथवा स्पष्टीकरण किया जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि जो व्यक्ति धर्म परिवर्तन के पश्चात अपनी पारंपरिक जनजातीय आस्था, संस्कृति एवं जीवन पद्धति का त्याग कर देता है, उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं माना जाए। तीसरी, जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक अस्मिता एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। मंच ने दावा किया कि देश की लगभग 12 करोड़ जनजातीय आबादी में से करीब 2 करोड़ लोग ईसाई धर्म में धर्मांतरित हो चुके हैं। मंच का कहना है कि धर्मांतरित जनजातीय व्यक्तियों को एक ओर अनुसूचित जनजाति आरक्षण का लाभ मिलता है तो दूसरी ओर वे अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं का भी लाभ प्राप्त करते हैं, जिससे सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक समानता के सिद्धांतों पर प्रश्न खड़े होते हैं। मंच के वक्ताओं ने कहा कि यह विषय केवल आरक्षण अथवा कानून की व्याख्या का नहीं, बल्कि करोड़ों जनजातीय लोगों की सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और अस्तित्व से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

चतरा पहुंचे बोकारो रेंज के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा

कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर पुलिस अफसरों को दिए कड़े निर्देश

चतरा: बोकारो रेंज के नवनियुक्त आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा अपने एक दिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचे। समाहरणालय परिसर में पुलिस के जवानों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। इसके बाद आईजी ने पुलिस लाइन स्थित पार्क पहुंचकर शहीद विनय भारती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। आईजी का पदभार ग्रहण करने के बाद चतरा जिले का यह उनका पहला दौरा था। उन्होंने जिले के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारियों, सर्किल इंस्पेक्टरों और थाना प्रभारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में कानून व्यवस्था, थानों की कार्यप्रणाली और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर विस्तृत चर्चा की गई। आईजी ने बताया कि प्रशासनिक फेरबदल के बाद कई नए अधिकारियों से परिचय करना और विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करना इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था। वहीं, थानों में प्राइवेट चालकों को रखने के सवाल पर उन्होंने स्वीकार किया कि चालकों की भारी कमी के कारण यह पुलिस की मजबूरी है।

विश्व रक्तदाता दिवस के सफल आयोजन को लेकर कार्यशाला आयोजित

वार्डवार रक्तदान शिविरों की तिथियां जारी

संवाददाता

खूंटी: आगामी 14 जून को मनाए जाने वाले विश्व रक्तदाता दिवस के सफल क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय, खूंटी के सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक ने की। कार्यक्रम में खूंटी नगर पंचायत की अध्यक्ष रानी टूटी, उपाध्यक्ष शशांक शेखर सहित सभी निर्वाचित वार्ड पार्षद उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में डॉ. पाठक ने बताया कि इस वर्ष विश्व रक्तदाता दिवस का थीम वन ड्रॉप ऑफ ह्यूमैनिटी, गिव ब्लड सेव्स लाइव्स (मानवता की एक बूंद, रक्तदान करें-जीवन बचाएं) रखा गया है। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों, सड़क दुर्घटना में घायल लोगों, गर्भवती महिलाओं तथा एनीमिया से ग्रसित बच्चों एवं बुजुर्गों को समय-समय पर रक्त की आवश्यकता पड़ती है। जिले के रक्तकोष में रक्त की उपलब्धता बनाए रखने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी वार्ड पार्षदों से अपने-अपने वार्ड में रक्तदान शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी ने कहा कि रक्तदान महादान है और यह ऐसा दान है जिससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी रक्तदान अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने सभी पार्षदों से स्वयं रक्तदान करने एवं लोगों को इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. शोभा किस्पोट्टा ने गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें नियमित रूप से आयरन एवं कैल्शियम की गोलियों के सेवन के प्रति जागरूक करना आवश्यक है, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी वार्ड पार्षदों को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान को बढ़ावा देने की शपथ दिलाई गई। साथ ही वार्डवार रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए ब्लड डोनेशन कैलेंडर का वितरण किया गया।

वार्डवार रक्तदान शिविर की तिथियां

- 14 जून 2026 - वार्ड संख्या 04
- 16 जून 2026 - वार्ड संख्या 01
- 18 जून 2026 - वार्ड संख्या 02
- 20 जून 2026 - वार्ड संख्या 03
- 22 जून 2026 - वार्ड संख्या 05
- 24 जून 2026 - वार्ड संख्या 06
- 27 जून 2026 - वार्ड संख्या 07
- 30 जून 2026 - वार्ड संख्या 08
- 02 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 09
- 08 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 10
- 10 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 11
- 13 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 12
- 15 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 13
- 17 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 14
- 20 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 15
- 22 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 16
- 24 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 17
- 26 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 18
- 28 जुलाई 2026 - वार्ड संख्या 19

कार्यक्रम का संचालन काउंसलर निशांत झा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन रक्तकोष उपाधीक्षक डॉ. आनंद किशोर उरांव ने किया। कार्यशाला में रक्तदान को जनआंदोलन बनाने तथा जिले में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय सहयोग का संकल्प लिया।

खरीदने गये थे केक, लौटे तो उड़े होश

कार का शीशा तोड़ लाखों के गहने और नकदी ले उड़े चोर

मेट्रो रेज

रांचीः शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला मेन रोड स्थित भारत बेकरी के बाहर का है, जहां केक खरीदने गए एक व्यक्ति की कार का शीशा तोड़कर बदमाश लाखों रुपये मूल्य के सोने के गहने और नकदी से भरा पर्स लेकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार रात करीब 9:40 बजे की है। पीड़ित अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर भारत बेकरी में

केक खरीदने गए थे। कुछ ही मिनटों बाद जब वे वापस लौटे तो कार का शीशा टूटा हुआ मिला। कार के अंदर रखा पर्स गायब था। पर्स में सोने के गहने, महत्वपूर्ण दस्तावेज और नकदी थे।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके।

पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

बकाया वेतन भुगतान में देरी पर हाईकोर्ट सख्त अधिकारियों को अवमानना कार्रवाई की चेतावनी

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए बकाया वेतन भुगतान में हुई देरी पर गहरी नाराजगी जताई है। मुख्य न्यायाधीश एम.एस. रामचंद्र राव (एमएस सोनक) और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता के पति को लंबित वेतन एवं ब्याज की राशि निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में भुगतान किया जाए।

मामला याचिकाकर्ता समीना खातून के पति के बकाया वेतन से

जुड़ा है। अदालत ने पाया कि पूर्व में दिए गए न्यायिक आदेश के बावजूद संबंधित अधिकारी अब तक पूरा भुगतान सुनिश्चित नहीं कर सके हैं। इस पर खंडपीठ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि 9 सितंबर 1997 से 31 मार्च 2000 तक की अवधि का पूरा बकाया वेतन तथा उस पर 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज का भुगतान 24 जून 2026 तक कर दिया जाए।अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित तिथि तक भुगतान नहीं किया गया, तो मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने संकेत दिया कि आदेश की अवहेलना करने वाले अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह ठहराया जा सकता है।

इस मामले को लेकर न्यायालय की सख्ती को प्रशासनिक जवाबदेही और न्यायिक आदेशों के पालन की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कानूनी जानकारों का कहना है कि यह आदेश उन मामलों के लिए भी मिसाल बन सकता है, जिनमें कर्मचारियों या उनके आश्रितों को वर्षों तक बकाया भुगतान के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

फिलहाल सभी की निगाहें 24 जून 2026 की समय सीमा पर टिकी हैं, जिसके भीतर राज्य सरकार को अदालत के निदेर्शानुसार भुगतान सुनिश्चित करना होगा।

बॉक्सिंग आरजे के लिए रांची से 10 कोच का चयन

रांची : रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में रांची जिले से 10 बॉक्सिंग खिलाड़ी एवं कोच का चयन आरजे के लिए किया गया है। 13 से 15 जून को आदित्यपूर सरायकेला खरसावां में आरजे सेमिनार झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा रखा गया है। जिसमें ये लोग हिस्सा लेंगे। सेमिनार में हिस्सा लेने वालों में गुलाम जावेद,कमल किशोर कच्छप, नौशाद खान,क्लेवर कर्मकार,के पॉल बाबू , राजेश कुमार सिंह, ब्लामदीना तिग्गा, कुमारी प्रिया, रूपा कुमारी 2 स्टार के लिए बिमल आनंद नाग शामिल हैं।

पिता के व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं दीनदयाल लखोटिया

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता

मेट्रो रेज

रांचीः सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए मेहनत व लगन जरूरी है। वहीं, समय के साथ बदलाव भी आवश्यक है। ऐसा मानना है राजधानी के कांके रोड (लखोटिया निवास) निवासी दीनदयाल लखोटिया का।

श्री लखोटिया रांची में ही पले-बढे। प्रारंभिक शिक्षा राजधानी रांची में हुई। संत जेवियर कॉलेज, रांची से उन्होंने स्नातक वाणिज्य की डिग्री हासिल की। तत्पश्चात अपने पिता द्वारा स्थापित विष्णु टी कंपनी (नॉर्थ ईस्ट मार्केट अपर बाजार, रांची) को आगे बढ़ाने में सहयोग करने लगे। उनके पिता मदनलाल लखोटिया विगत लगभग चार दशक से चाय पत्ती के व्यवसाय से जुड़े हैं। पूर्व

में असम, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी आदि जगहों से थोक में खुली चाय मंगवा कर बिक्री किया करते थे। दीनदयाल लखोटिया ने अपने पिता के व्यवसाय को आगे बढ़ाते हुए खुद की ब्लेंडिंग करते हुए श्री विष्णु ब्रांड चाय पत्ती की पैकेजिंग शुरू की। इसके साथ ही श्रीविष्णु गोल्ड, श्रीविष्णु डायमंड, श्रीविष्णु नमन ब्रांड की चाय पत्ती की ढाई सौ ग्राम, पांच सौ ग्राम के पैक में

मार्केटिंग शुरू की। हर वर्ग के लोगों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 10 व 20 रुपए के सैशे (पाउच) पैक में भी चाय पत्ती की मार्केटिंग शुरू की।

झारखंड व पड़ोसी राज्य बिहार, बंगाल व उड़ीसा में भी श्री विष्णु ब्रांड की चाय पत्ती अपने गुणवत्ता के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो गई।

श्री लखोटिया का मानना है कि चाय का धंधा कभी मंदा नहीं पड़ता। भीड़ से कुछ अलग दिखेंगे तभी ग्रोथ होगी। प्रोडक्ट की क्वालिटी ही ब्रांड है। ग्राहकों को सिग्नेचर टेस्ट देना व मीडियम, प्रीमियम और सस्ती दर पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद देना, हर तबके के ग्राहकों को टारगेट करना उद्देश्य है। फिलहाल झारखंड के अलावा बंगाल, बिहार व उड़ीसा में भी श्रीविष्णु ब्रांड चाय पत्ती के वितरक हैं। श्री लखोटिया अपनी पारिवारिक और व्यावसायिक जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए सामाजिक कार्यों में भी समय-समय पर अपनी सहभागिता निभाते हैं। उनके पिता मदनलाल लखोटिया विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं। वहीं, श्री लखोटिया की पत्नी प्रिया लखोटिया जेसीआई रांची उड़ान की प्रेसिडेंट हैं।

ग्रीष्मकालीन वुशु प्रशिक्षण शिविर सफतापूर्वक संपन्न

रांचीः रांची जिला वुशु एसोसिएशन एवं झारखंड वुशु एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम के वुशु हॉल में आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन वुशु प्रशिक्षण शिविर का आज विधिवत समापन हो गया। यह विशेष प्रशिक्षण शिविर दिनांक 1 जून 2026 से प्रारंभ हुआ था।

शिविर के समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। झारखंड सेपक टकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री उदय साहु ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नियमित

अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और राज्य का नाम रोशन करें।इसी क्रम में एसोसिएशन के चेयरमैन श्री चंचल भट्टाचार्य ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी इस शिविर में सीखी गई तकनीकों का निरंतर अभ्यास करें और अपने खेल कौशल को और अधिक विकसित करें।इस 10 दिवसीय शिविर में रांची जिले के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों के खिलाड़ियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कोचों द्वारा खिलाड़ियों को वुशु खेल की विभिन्न आधुनिक तकनीकों, विशेष कौशल एवं आगामी प्रतियोगितात्मक तैयारियों का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।समारोह में झारखंड वुशु एसोसिएशन के सचिव शैलेन्द्र दुबे, उपाध्यक्ष मिथलेस साहू,वुशु कोच दीपक गोप, शिवेंद्र दुबे सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रशिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HIGHWAY DIVISION GUMLA
E-mail: eenhgumlajhr@gmail.com / eenhgumla-jhr@nic.in
INVITATION FOR BIDS (IFB)
NATIONAL COMPETITIVE BIDDING
Tender Reference No. NH/GUMLA/02/2026-27 Date-12.06.2026

1. The Executive Engineer, National Highway Division, Gumla invites item rate bids online for the work detailed in the table given below. The bidder is advised to examine carefully all instructions including addendum/amendments to ITB, conditions of contract, contract data, forms, terms, technical specifications, bill of quantities etc. in the Bid Document before bidding

Sl. No.	Name of Work	State	Estimated Cost including LC and excluding GST (in Rs.)	Cost of RFP document (in Rs)	Bid Security	Contract Duration* (Month)
1	Construction of RCC Drain at km 140, km 183, km 204 & Guard/Toe wall of at Ch. 151+200 of NH -23 (New NH -143) under NH Division, Gumla for the year 2025 -26. [Job No. NH -23(New NH -143)/ JHR/2026-27/14]	Jharkhand	1,90,57,375.00	10,000/- (RFP) & 1,800/- (GST)	3.82 Lakh	06

2. Tender will be available online on MoRTH portal CPPP website https://eprocure.gov.in and e-tendring portal of MORTH portal CPPP website https://eprocure.gov.in from 22.06.2026 (17.00) hrs to 13.07.2026 Hours (15.00). Bids must be submitted online only at e-tendering portal of MORTH website https://eprocure.gov.in on or before to 13.07.2026 Hours (15.00) and technical bids received online will be opened on 14.07.2026 at 15:30 hours.
3. Bid through any mod will not be entertained. However, Bid Security, Receipt of Document fee, Power of Attorney and Joint Bidding Agreement, etc shall be submitted physically by the bidder on or before 13.07.2026 (at 15:00 Hrs). Please note that the Ministry/Authority/Executing Agency reserves right to accept or reject all or any of the BIDs without assigning any reason whatsoever.
4. Bid Document Fee (Cost of RFP document) which Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) shall be paid only through NTRP (Non -Tax Receipt Portal) Portal https://bharatkosh.gov.in to Pay & Accounts Officer (PAO: 034756 in "Regional Pay Accounts Officer [RPAO (NH), Kolkata code No. 034756 and DDO Code No. 202122 Purpose: Sale of Tender Documents.]. The GST of Rs. 1800/- (Rs. One Thousand Eight hundred only) applicable on the sale of tender document shall be submitted in the form of **Demand Draft** favoring "Regional Pay & Accounts Officer (NH), MORTH, Kolkata", payable at Kolkata.
5. Bids must be accompanied by security of the Bid Security amount of Rs. 3.82 lakh from any scheduled Bank drawn in favour of " Executive Engineer, National Highway Division, Gumla ". Bid security will have to be in any one of the forms as specified in the bidding document and shall have to be valid for 120 days beyond the original validity of the bid in accordance with SBD (I.T.B) Clause-15.1.

Executive Engineer
National Highway Division, Gumla
PR 382249 Road(26-27)D

इस वर्ष मोहर्रम का जुलूस आपसी सौहार्द ,एकता और भाईचारे का इतिहास रचेगा : मो. सईद

रांचीः इमामबख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो. महजूद की अध्यक्षता एवं सेंट्रल मुहर्रम कमिटी सह इमामबख्श अखाड़ा के मुख्य सरपरस्त मो. सईद की सरपरस्ती में मेन रोड स्थित मधुबन मार्केट में एक आवश्यक बैठक मुहर्रम वर्ष 2026 में निकाले जाने वाले जुलूस को लेकर सम्पन्न हुई। जिसमें इमामबख्श अखाड़ा के अधीन आने वाले तमाम खलीफा एवं प्रमुख पदाधिकारी के साथ-साथ सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के प्रमुख पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक में विभिन्न क्षेत्र से आए इमामबख़्श अखाड़ा के खलीफाओं एक पदाधिकारियों ने अपने-अपने संबोधन में आपसी सौहार्द्र के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाले जाने का संकल्प लिया। उक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सरपरस्त मो. सईद ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष 2026 के मुहर्रम का जुलूस पूर्व की तरह आपसी सौहार्द एकता एवं भाईचारे के साथ एतिहासिक रूप से निकाला

जाएगा। उन्होंने समय की पाबंदी तथा अनुशासन पर जोर देते हुए जुलूस से सम्बंधित माननीय उच्च न्यायालय के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देश तथा सेंट्रल मुहर्रम कमिटी रांची द्वारा सभी अखाड़ा धारियों को दिए जाने वाले गाईडलाइन का सख्ती से पालन किए जाने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक अखाड़ाधारी को अपने अपने खलीफा के आदेश का पालन करना जरूरी होगा। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान एवं प्रवक्ता मो. इसलाम ने कहा कि बहुत जल्द सेंट्रल मुहर्रम कमिटी द्वारा जुलूस से सम्बंधित गाईडलाइन जारी कर दिया जाएगा जिसे प्रत्येक अखाड़ाधारी को पालन करना जरूरी होगा । विभिन्न क्षेत्र के समस्याओं से भी सेंट्रल मुहर्रम कमिटी को लिखित रूप में अवगत कराने की भी बात कही ताकि समय रहते सम्बंधित पदाधिकारियों के सहयोग से उक्त समस्या का समाधान किया जा सके। बैठक में मुख्य सरपरस्त मो. सईद, सरपरस्त अब्दुल कादिर रब्बानी, प्रमुख खलीफा मो. महजूद, महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो. इसलाम, कार्यकारी अध्यक्ष आफताब आलम, उपाध्यक्ष अय्यूब राजा खान, पार्षद मो. असलम, पार्षद प्रतिनिधि उम्र खालिद, इसलाम इदरीसी सदर इदरीसी चौरासी पंचायत,सरवर खान,बन्नू खलीफा,शकीब खलीफा,पप्पू खलीफा, परवेज खलीफा,मो. इम्तियाज खलीफा,शफीक खलीफा,नफीस उर्फ राकी खलीफा,परवेज गुड्डू,मो. इकबाल,आसिफ इकबाल,हाजी मुन्ना,जमील अख्तर सोनू ,अली रजा सहित अनेक गणमान्य खलीफा एवं पदाधिकारी मुख्य रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान एवं धन्यवाद ज्ञापन इमामबख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो. महजूद ने किया।

पवन खेड़ा के राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर शादाब खान ने दी बधाई

रांचीः कांग्रेस पार्टी के युवा नेता शादाब खान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में शादाब खान ने कहा कि पवन खेड़ा एक लड़ाकू, जुझारू और प्रतिबद्ध नेता हैं, जिन्होंने हमेशा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को मजबूती से देश के सामने रखा है। उनकी राजनीतिक समझ, संगठनात्मक क्षमता और प्रभावशाली संवाद शैली पार्टी के लिए अमूल्य रही है।

उन्होंने कहा कि राज्यसभा में पवन खेड़ा की उपस्थिति लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों को और अधिक मजबूती से उठाने में सहायक होगी। उनके अनुभव और नेतृत्व का लाभ देश तथा पार्टी दोनों को मिलेगा।

शादाब खान ने विश्वास व्यक्त किया कि पवन खेड़ा राज्यसभा सदस्य के रूप में जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से सदन में उठाएंगे तथा देश के विकास और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंत में उन्होंने पुनः पवन खेड़ा को राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एंव कौशल विकास विभाग,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गढ़वा

शैक्षणिक सत्र–2026–2027–2028 में नामांकन से सबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एंव प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एंव कौशल विकास विभाग, रांची के पत्रांक–05 / प्रशि0 (प्रशि0)–01 / 2026–623, दिनांक–30.05.2026 के अनुपालन में सूचित किया जाता है कि **NCVT** से मान्यता प्राप्त व्यवसायों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गढ़वा के शैक्षणिक सत्र–2026–2027–2028 में योग्य आवेदकों (महिला सहित) से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी के श्रेणी में आते है और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते है, उनसे ऑनलाइन (https://iti.jharkhand.gov.in के Admission tab) में आवेदन –पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

1. न्युनतम शैक्षणिक योग्यता– सभी व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। केवल वेल्डर व्यवसाय में (आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आव यक है।)
2. आयु अहर्ता:– 01 जुलाई 2026 को न्युनतम आयु 14 वर्ष एंव अधिकतम 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सैन्य कार्रवाई में मारे गये सैन्य कर्मियों के विधवाओं के मामले में अधिकतम 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
3. ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि:–

क्र0.सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एंव आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	01 जून 2026
02	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एंव आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	25 जून 2026, अपराह्न 5:00 बजे
03	औपबंधिक मेघा सूचियों (आठवीं एंव दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	29 जून 2026, पूर्वाह्न 12:00 बजे से

4. डी0जी0टी के पत्रांक –**DGT-MIS 011/1/2025-O/o DIR(TC) [71015]**, दिनांक–08/04/2025 के आलोक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों का वैध मोबाईल नम्बर, ई–मेल आई0डी एंव आधार नम्बर आवश्यक है तथा **National Trade Certificate (NTC)** उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक उसमें परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होगी। डी0जी0टी का पत्र **https://iti.jharkhand.gov.in** के **Download section** के **Notification Tab** में देखा जा सकता है।
5. नामांकन सबंधी विस्तृत महत्वपूर्ण सूचना झारखण्ड ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in)के Download section के **Notification Tab** में देखा/**Download** किया जा सकता है।
6. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गढ़वा में संचालित व्यवसायों की विवरणी :–

02 वर्षीय व्यवसाय	सीटें	01 वर्षीय व्यवसाय	सीटें
फिटर	40	मेकेनिक डीजल	24
इलेक्ट्रीशियन	20		
टर्नर	20	वेल्डर	20
मेकेनिक मोटर वेहिकल	24		
इलेक्ट्रोनिक्स मेकेनिक्स	24	कोपा	24
आई0 टी0	24		

HELP DESK IN ITI CAMPUS
RITESH KUMAR YADAV, COMPUTER OPERATOR
INDUSTRIAL TRAINING INSTITUTE, GARHWA
MOB- 7992311265

ह0/-
प्रभारी प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गढ़वा।

PR.NO.382248 Labour Employment and Traning(26-27):D

तीन दिवसीय झारखंड कृषि व्यापार मेला का शुभारम्भ 16 जून को, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे उदघाटन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग के तत्वावधान में 16 से 18 जून तक राजधानी स्थित मोरहाबादी मैदान में तीन दिवसीय झारखंड कृषि व्यापार मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले का उद्घाटन 16 जून को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इस अवसर पर कृषि, पशुपालन,सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सहित संबंधित विभागों के सचिव सहित न्य अधिकारी गण उपस्थित रहेंगे।

इस विशेष कृषि व्यापार मेले का उद्देश्य किसानों, कृषि उद्यमियों व उद्योग जगत के दिग्गज उद्यमियों सरकारी विभागों को एक साझा मंच प्रदान करना है। इसके

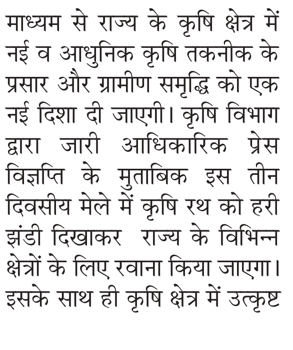

माध्यम से राज्य के कृषि क्षेत्र में नई व आधुनिक कृषि तकनीक के प्रसार और ग्रामीण समृद्धि को एक नई दिशा दी जाएगी। कृषि विभाग द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक इस तीन दिवसीय मेले में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा। कृषि विभाग और इससे संबंधित विभागों की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के बीच सहायता राशि और लाभुकों को सामग्री का वितरण भी किया जाएगा। मेले के दूसरे दिन अर्थात 17 जून को विशेष रूप से विभागीय तकनीकी सत्र कृषि संवाद कार्यक्रम और प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से विशेषज्ञ किसानों को खेती से जुड़ी आधुनिकतम तकनीक, सरकारी अनुदानों और आधुनिक व वैज्ञानिक खेती के तौर-तरीकों की जानकारी देंगे। वहीं, मेले के अंतिम दिन 18 जून को भी किसान संवाद का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र के स्टार्स अप भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मेले के दौरान किसानों के सामने नवाचार आधारित कृषि मॉडल, उद्यमिता के नए अवसर और तकनीकी समाधान भी प्रस्तुत किए जाएंगे। मेले का समापन 18 जून को होगा। इस कृषि व्यापार मेले में कृषि, पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य पालन, बागवानी और सहकारिता विभागों को स्टॉल तो होंगे ही, इसके साथ ही देशभर की जाने-माने कृषि प्रौद्योगिकी की कंपनियां, आधुनिक कृषि यंत्र निर्माता और विभिन्न सफल स्टार्टअप भी हिस्सा लेंगे। कृषि विभाग के मुताबिक इस मेले से किसानों को उन्नत कृषि उपकरण, स्मार्ट तकनीक और कृषि व्यवसाय की नई संभावनाओं को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। मोरहाबादी स्थित आयोजन स्थल पर आगंतुकों के लिए प्रदर्शनी हाल, संस्कृतिक हॉल, तकनीकी सत्र, फूड कोर्ट, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और कृषि यंत्रों के लाइव प्रदर्शन की भी विशेष व्यवस्था उपलब्ध होगी। मेले के आयोजक कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग ने भरोसा जताया है कि यह मेला राज्य की कृषि व्यवस्था को और मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। विभाग की ओर से सूबे के किसानों और कृषि उद्यमियों को मेले में बढ़-कर कर सहभागिता निभाने और शामिल होने की अपील की गई है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष : राष्ट्रधर्म रक्षणार्थ सर्वस्व अर्पण करने वाले मेवाड़ी शौर्य को नमन

18 जून 1576 को खमणोर-हल्दीघाटी की धरती पर लड़ा गया युद्ध केवल दो सेनाओं का संघर्ष नहीं था बल्कि स्वाधीनता, स्वाभिमान, धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ी गई एक युगांतकारी लड़ाई थी। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ के गुहिलोत-सिसोदिया के अलावा झाला, चौहान, राठौड़, सोलंकी, पंवार आदि क्षत्रियों के साथ भीलों, ब्राह्मणों, कायस्थों तथा विभिन्न छत्तीस समाजों के रणबांकुरों ने अद्वितीय साहस, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा का परिचय दिया। इसलिए मेवाड़ के गुहिलोतों को कवि नाथूसिंह महियारिया ने गरूड़वन्ता गहलौतिया कह कर सम्बोधित किया। झाला बीदा के आत्म बलिदान से लेकर राजा रामशाह तंवर और उनके पुत्रों की वीरगति, हकीम खां सूर की निष्ठा, भामाशाह-ताराचंद के समर्पण, हाथी रामप्रसाद की स्वामी भक्ति तथा चेतक के अतुलनीय त्याग तक, यह युद्ध असंख्य अमर गाथाओं से आलोकित है। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की हल्दीघाटी विजय के 450वें वर्ष पर उन सभी ज्ञात-अज्ञात वीरों को स्मरण करना मेवाड़ ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्र का कर्तव्य है, जिन्होंने अपने रक्त से स्वाधीनता और अस्मिता के इस गौरवशाली अध्याय को अमर बना दिया।

महाराणा प्रताप की सेना में ग्वालियर के राजा रामशाह तंवर अपने पुत्रों- शालिवाहन, भवानी सिंह तथा प्रताप सिंह और पौत्र बलभद्र साहि, भामाशाह और उसका भाई ताराचन्द कावड़िया, राजराणा झाला बीदा बिच्छीवाड़ा, झाला मानसिंह देलवाड़ा, सोनगरा मानसिंह अखयराजोत, डोडिया भीमसिंह सरदारगढ़, रावत किसनदास चूण्डावत सलूम्बर, रावत नेतसिंह सारंगदेवोत बम्बोरा, रावत सांगा चूण्डावत देवगढ़, राठौड़ रामदास मेड़तिया बदनोर, पानरवा का रावत पूंजा, पुरोहित गोपीनाथ, पुरोहित जगन्नाथ, पड़िहार कल्याण, बच्छावत महता जयमल, खेतावत महता रत्नचन्द, महासानी जगन्नाथ, राठौड़ शंकरदास, मेरपुर का रावत पूँजा (जूड़ा नाहेसर परगने के मेरपुर के भीलों का मुखिया), चारण जेसा और केशव आदि वीर सेनानायक थे। वहीं, चंदावल में महाराज कुमार अमर सिंह, मेवाड़ का भाणेज तथा रामशाह तंवर का पौत्र बलभद्र भी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त हकीम खां सूर भी मुगलों से लड़ने के लिए महाराणा की सेना में सम्मिलित हुआ। उदयपुर से हल्दीघाटी मार्ग पर पहले आने वाले लोसिंग गांव से आगे बढ़कर सेनाएं मान सिंह की गतिविधियों पर नजर गढ़ाए हुए थीं, मान सिंह की सेना के तीन कोस की दूरी पर महाराणा प्रताप ने अपना सैन्य शिविर लगाया और शत्रु की प्रत्येक गतिविधि पर नजर बनाए रखी।जब अकबर ने आम्बेर के मान सिंह के नेतृत्व में दस हजार घुड़सवार और पांच हजार पैदल सैनिकों को मेवाड़ पर भेजा, तो उसने जून, 1576 ई. के तीसरे सप्ताह में मोलेला ग्राम (नाथद्वारा-हल्दीघाटी मार्ग) के पास पहुंच कर बनास नदी के उत्तरी किनारे पर मुगल सैन्य शिविर स्थापित करते हुए युद्ध की तैयारी शुरू कर दी।झाला बीदा और उनका पराक्रम-17 जून, 1576 ईस्वी को मध्याह्न के बाद मान सिंह लगभग एक हजार सैनिकों के साथ अगले दिन युद्ध की व्यूह रचना के लिए क्षेत्र का सर्वेक्षण करने हल्दीघाटी की पहाड़ियों में आखेट के बहाने निकला। संयोग से उस समय महाराणा प्रताप, झाला बीदा और हकीम खां सूर भी, अगले दिन के युद्ध की व्यूह रचना के लिए उन्हीं पहाड़ियों में मौजूद थे। मान सिंह और उनके सैनिकों को उनका आभास नहीं हुआ, लेकिन ये लोग महाराणा प्रताप, झाला बीदा और हकीम खां सूर के घेरे में आ गए थे। इस स्वतःस्फूर्त सुअवसर को भांप कर हकीम खां सूर ने महाराणा प्रताप से कहा कि परिस्थितियां अनुकूल हैं, हमें घात कर आमेर के मान सिंह का इसी समय काम तमाम कर देना चाहिए। इस पर महाराणा प्रताप कुछ बोले, उसके पहले ही सहज भाव से झाला बीदा ने यह कहा कि हकीम खां, आप सही कह रहे हैं। युद्ध नीति के अनुसार यह अवसर अनुकूल है, किन्तु हम क्षत्रिय हैं और क्षत्रिय कभी भी अपने दुश्मन पर छल से या पीछे से घात नहीं करता है। परिणाम जो भी होगा, कल युद्ध क्षेत्र में ही देखा जाएगा। महाराणा प्रताप ने झाला बीदा के कहने पर इस बात को स्वीकार कर लिया। इस प्रकार संयोग से अनजाने में ही सही झाला बीदा द्वारा रोकने के कारण आमेर के मान सिंह को नया जीवन मिल गया।

तैं सिर छत्र पुल घड़ी, रखियौ झाला राज।छत्र छांया अमर करी, हिंदू धर्म पर आज।।

कवि नाथू सिंह महियारिया लिखते हैं कि हे झाला राजा/सरदार, तुमने अपने सिर पर मेवाड़ का राज छत्र धारण कर एक पुलिया बनाई अर्थात संकट के समय राज्य की रक्षा का भार अपने ऊपर लिया। तुम्हारी इस बलिदानी और गौरवपूर्ण छत्र-छाया ने आज हिंदू धर्म को अमर कर दिया। झाला बीदा ने 18 जून, 1576 ईस्वी को हल्दीघाटी के समरांङ्गण में महाराणा प्रताप को मुगल सेना द्वारा चारों तरफ से घेर लिये जाने के बाद प्रताप के जीवन की रक्षा के निमित्त, स्वयं के जीवन को खतरे में डालते हुए, महाराणा प्रताप को युद्ध क्षेत्र से बाहर निकलने के लिए बाध्य किया। उसके बाद झाला बीदा ने समरांङ्गण में युद्ध करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। तंवरों की दो पीढ़ियों का बलिदान–राजा मान सिंह तंवर के पौत्र राम सिंह (रामशाह) तंवर ग्वालियर के अंतिम राजपूत राजा थे। अकबर के ग्वालियर पर आक्रमण में रामशाह को पराजय देखनी पड़ी और उन्हें ग्वालियर छोड़ना पड़ा। इससे पूर्व महाराणा सांगा के काल में तंवर मेवाड़ के ध्वज तले उपस्थित थे। अकबर से हार कर तंवरों ने मेवाड़ में शरण ली। रामशाह तंवर की वीरता के कारण उदय सिंह ने उन्हें शाहों का शाह की उपाधि दी और अपनी एक बेटी का विवाह रामशाह के पुत्र शालिवाहन सिंह तंवर से किया। हल्दीघाटी की लड़ाई में रामशाह के खिलाफ लड़ने वाले मुगल इतिहासकार अब्द अल-कादिर बदायूंनी ने अपनी पुस्तक मुन्तखाब-उत-तवारीख में उनकी प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा है, मैंने देखा कि योद्धा दाहिनी ओर हाथियों के युद्ध को छोड़कर मुगल सेना के मुख्य भाग तक पहुंच गया और वहां भयंकर नरसंहार किया। ग्वालियर के प्रसिद्ध राजा मान सिंह के पोते रामशाह, जो हमेशा राणा के हरावल (अग्र पंक्ति) में रहते थे, ने ऐसा शौर्य दिखाया जो शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उनके शक्तिशाली हमले के कारण हरावल के बाईं ओर मानसिंह कछवाहा को भागकर दाहिनी ओर के सैयदों की शरण लेनी पड़ी, जिसके कारण आसफ खान भी भाग गया। यदि उस समय सैयद लोग न बचते, तो हरावल (अग्र पंक्ति) की भागती हुई सेना ऐसी स्थिति पैदा कर देती कि हमें शर्मनाक हार का सामना करना पड़ता। वहीं, अकबर के दरबारी लेखक अबुल फजल जिन्होंने अकबरनामा लिखा था, ने लिखा था, ये दोनों रामशाह और शालिवाहन युद्ध के मित्र और जीवन के शत्रु थे, जिन्होंने जीवन को सस्ता और सम्मान को महंगा बना दिया था। वीरतापूर्वक लड़ते हुए रामशाह तीन पुत्र शालिवाहन सिंह, भवानी सिंह, प्रताप सिंह और उनके 300 तंवर अनुयायी शहीद हो गए। उनकी वीरता और भक्ति के कारण, महाराणा करण सिंह (महाराणा प्रताप के पोते) ने रक्त तलाई में रामशाह तोमर और शालिवाहन सिंह तोमर के लिए दो छतरियां (स्मारक) बनवाईं।हकीम खां सूर, भामाशाह और ताराचंद-इस समय तक महाराणा प्रताप को सात घाव लग चुके थे। ऐसी स्थिति में झाला बीदा (मान सिंह) ने पूर्व नियोजित योजना के अनुसार महाराणा प्रताप को मुगलों के साथ भावी युद्ध संघर्ष जारी रखने के लिए युद्ध क्षेत्र से बाहर निकलने का आग्रह किया।

मोदी सरकार के 12 साल और डिजिटल बुनियादी ढांचे का विकास

> डिजिटल बुनियादी ढांचा सुरक्षित डेटा ट्रांसमिशन, शीघ्र डिजिटल भुगतान, पहचान सत्यापन और बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। समकालीन अर्थव्यवस्था में, डिजिटल बुनियादी ढांचा अब यह नियंत्रित करता है कि सेवाओं, बाजारों और अधिकारों तक किसकी पहुंच है, ठीक उसी तरह जैसे पहले रेलमार्ग क्षेत्रों को अवसरों से जोड़ते थे।

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

बिजली ग्रिड, बंदरगाह और राजमार्ग अब बुनियादी ढांचे के एकमात्र घटक नहीं रह गए हैं। यह डिजिटल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा मूलभूत डिजिटल प्रणालियों का एक संग्रह है जो समकालीन समाजों की नींव के रूप में कार्य करता है। इन प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यक्तियों, कंपनियों और सरकारों के बीच सुरक्षित और आसान संचार संभव हो जाता है। डिजिटल बुनियादी ढांचा सुरक्षित डेटा ट्रांसमिशन, शीघ्र डिजिटल भुगतान, पहचान सत्यापन और बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। समकालीन अर्थव्यवस्था में, डिजिटल बुनियादी ढांचा अब यह नियंत्रित करता है कि सेवाओं, बाजारों और अधिकारों तक किसकी पहुंच है, ठीक उसी तरह जैसे पहले रेलमार्ग क्षेत्रों को अवसरों से जोड़ते थे।भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा रातोंरात नहीं बना। मोदी प्रशासन ने प्रौद्योगिकी के प्रति मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का समर्थन करने और ₹सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, वित्तीय समावेशन और प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास₹ सहित संबंधित विषयों में अधिक ज्ञान साझाकरण को प्रोत्साहित करने का दावा किया। पहचान, बैंकिंग और संपर्क को जानबूझकर एक साथ लाया गया ताकि इसकी नींव रखी जा सके। इसी तालमेल के परिणामस्वरूप डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (जेएएम) का उदय हुआ। जनधन बैंक खातों, आधार नामांकन और मोबाइल फोन के व्यापक उपयोग ने भारत के डिजिटल परिवर्तन की नींव रखी। जब इन्हें एकीकृत किया गया, तो इन्होंने लोगों और राज्य के बीच सीधा और सत्यापित संबंध स्थापित किया। कल्याणकारी योजनाओं का भुगतान सीधे जेएएम के माध्यम से बैंक खातों में आने लगा। बिचौलियों की संख्या कम हो गई। देरी कम हुई। धन की बबार्दी कम हुई।

इस एकीकरण के दायरे ने व्यापक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की नींव रखी। जनसंख्या-स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना क्या हासिल कर सकती है, इसका एक व्यावहारिक उदाहरण भारत के अनुभव से मिलता है। बहुत कम खर्च में, भारत ने 1.4 अरब से अधिक लोगों के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है। यह एक ऐसा नेटवर्क है जो खुला, सुलभ है और विभिन्न प्रकार के ऐप्स द्वारा समर्थित है जो अर्थव्यवस्था को अद्यतन करते हैं, शासन कार्य में बदलाव लाते हैं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हैं।भारत में डीपीआई पारिस्थितिकी तंत्र विश्वास, नवाचार और समावेशिता के सिद्धांतों पर संचालित होता है। भारत ने दिखाया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म जनसंख्या के आकार के हिसाब से विकास को गति दे सकते हैं और लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं, जिसके परिणाम मात्रात्मक रूप से देखे जा सकते हैं। जी20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्य समूह, आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और विकास के लिए डीपीआई पर गठित नए उच्च-स्तरीय कार्य बल और कई जी20 सहभागिता समूहों की सहायता से, भारत, 2023 में जी20 के नेता के रूप में, वैश्विक उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच डीपीआई के बारे में असाधारण स्तर की जागरूकता बढ़ाने में सक्षम रहा है। डीपीआई मॉडल को वर्तमान में विकास के विभिन्न चरणों में स्थित देशों द्वारा खोजा, अपनाया या संशोधित किया जा रहा है और यह वैश्विक स्तर पर भारत की एक प्रमुख पेशकश के रूप में उभरा है। भारत स्टैक की नवोन्मेषी तकनीक के बदौलत, भारत तीनों मूलभूत डीपीआई - डेटा सशक्तिकरण और संरक्षण (डीईपीए), एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और आधार विशिष्ट पहचान - का निर्माण करने वाला पहला देश बन गया।

डीपीआई रणनीति को विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समेत संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बडा समर्थन प्राप्त हुआ है।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने डीपीआई को प्रत्यक्ष लाभ स्थानान्तरण की सुविधा के लिए और कोविड -19 महामारी के दौरान भारत के गरीब परिवारों की 87% की मदद करने के लिए प्रशंसा की और भारत के डीपीआई मॉडल ने वैश्विक स्तर पर राष्ट्रों के लिए महत्वपूर्ण सबक पेश किए हैं। एक विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि डीपीआई ने पिछले छह वर्षों में 80% वित्तीय समावेशन तक पहुंचने में भारत की सहायता की है, एक उपलब्धि जो 50 साल अन्यथा ले सकती है।

चूंकि सरकार ने बैंक खातों तक पहुंच का विस्तार किया, भारत की तेजी से आगे बढ़ने वाली फिनटेक कंपनियों ने डिजिटल वॉलेट और मोबाइल मनी सॉल्यूशंस को रोल करना शुरू कर दिया। इन प्रगति ने बैंक खातों के बिना व्यक्तियों के लिए भी डिजिटल मनी स्टोरेज और ट्रांसफर की लागत को सरल और कम कर दिया। जवाब में, अधिकारियों ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) बनाकर एक नवाचार लागू किया, जिसने बैंकों को गैर बैंक इकाइयों के साथ भुगतान निर्देशों को संवाद और संसाधित करने की अनुमति दी। यह पहल भारत स्टैक की दूसरी परत बन गई। नई प्रणाली डिजिटल वॉलेट के माध्यम से अपने सामान या सेवाओं के लिए भुगतान प्राप्त करने के लिए बैंक खातों के बिना सड़क विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को अनुमति देती है। वे जल्दी से दूसरों को पैसे भेज सकते हैं-जैसे कि दूर के गांव में एक रिश्तेदार। इसके विपरीत, कई विकासशील देशों में इसी तरह के स्थानान्तरण में दिन या सप्ताह लग सकते हैं, अक्सर दूर-दूर बैंक की यात्रा की आवश्यकता होती है और पर्याप्त स्थानांतरण शुल्क खर्च होता है।

मार्च 2026 तक 1.44 अरब से अधिक आधार संख्याएं जारी की गईं, जिससे दैनिक जीवन में गहरी एकीकरण का प्रदर्शन किया गया। वित्तीय वर्ष में 2024-25 में, 27.07 अरब से अधिक प्रमाणीकरण लेनदेन थे। जनधन खातों की संख्या 2015 में 147.2 मिलियन से बढ़कर 2026 तक 577.1 मिलियन हो गई। मार्च 2015 में जमा 156.7 बिलियन से बढ़कर 20 मार्च तक 29.4 ट्रिलियन हो गया। लाभार्थियों को कुल मिला 39 9.8 मिलियन रुपे डेबिट कार्ड, वित्तीय समावेश का विस्तार।

यूपीआई प्रणाली ने खुदरा भुगतान में क्रांतिकारी बदलाव किया, उपयोगकताओं और व्यापारियों के

आईवीएफ: पचास के बाद अभिभावक और बच्चे का भविष्य

> संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ और संभावनाएँ प्रदान की हैं। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे। आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है। निःस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की बड़ी उपलब्धि है। किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं। आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, आईवीएफ के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है। वास्तविक जिम्मेदारी उसके बाद शुरू होती है। बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है।

जब कोई दंपति 50 वर्ष की आयु में माता-पिता बनता है, तो यह स्वाभाविक है कि जब बच्चा बारहवीं कक्षा में पहुँचेगा, तब माता-पिता की आयु लगभग 68 से 70 वर्ष के बीच होगी। यह जीवन का वह चरण होता है जब अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन की अपेक्षा करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में अनेक परिवर्तन आते हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, हृदय रोग, गठिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ सामान्य हो जाती हैं। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई, करियर और भावनात्मक जरूरतों के लिए पहले जैसी सक्रियता बनाए रखना आसान नहीं होता।

किशोरावस्था और युवावस्था किसी भी बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होती है। इसी अवधि में उसे सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और भावनात्मक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उच्च शिक्षा का चयन, करियर की योजना और जीवन से जुड़े अनेक निर्णय इसी उम्र में लिए जाते हैं। यदि उस समय माता-पिता स्वयं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हों, तो बच्चे और परिवार दोनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। कई बार बच्चे को अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के साथ-साथ माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है।

इस विषय का एक सामाजिक पक्ष भी है। विद्यालयों और सामाजिक आयोजनों में बच्चे अपने मित्रों और सहपाठियों के बीच रहते हैं। कई बार उम्रदराज माता-पिता होने के कारण बच्चों को अनावश्यक टिप्पणियों या मजाक का सामना करना पड़ सकता है। यद्यपि यह समाज की अपरिपक्वता का परिचायक है, फिर भी इसका प्रभाव बच्चे के मनोविज्ञान पर पड़ सकता है। बच्चे अक्सर अपने साथियों के बीच स्वयं को सहज और स्वीकार्य महसूस करना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से भी देर से मातृत्व-पितृत्व कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। आईवीएफ उपचार पर लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं। अनेक परिवार इसके लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं या ऋण लेते हैं। इसके बाद बच्चे के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर निरंतर खर्च होता है। आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो चुका है। यदि माता-पिता पहले से आर्थिक दबाव में हों और सेवानिवृत्ति के निकट हों तो भविष्य में बच्चे की उच्च शिक्षा और करियर निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना कठिन हो सकता है।

महिलाओं के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रकृति ने प्रजनन के लिए एक जैविक समय-सीमा निर्धारित की है। रजोनिवृत्ति या मेनोपॉज इस बात का संकेत है कि शरीर प्रजनन क्षमता के अंतिम चरण में पहुँच चुका है। आधुनिक चिकित्सा तकनीकें इस सीमा को कुछ हद तक आगे बढ़ा सकती हैं किंतु वे उम्र से जुड़ी सभी चुनौतियों को समाप्त नहीं कर सकतीं। अधिक आयु में गर्भधारण और प्रसव के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता।

हालाँकि इस विषय पर चर्चा करते समय संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि अधिक आयु में माता-पिता बनने वाला हर व्यक्ति अपने बच्चे के लिए समस्या बन जाएगा। अनेक लोग 60 वर्ष की आयु में भी पूरी तरह स्वस्थ, सक्रिय और आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं। वहीं, कई युवा माता-पिता भी अपने बच्चों को पर्याप्त समय और संसाधन नहीं दे पाते। इसलिए किसी निर्णय का मूल्यांकन केवल उम्र के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन औसत परिस्थितियों को देखते हुए आयु एक महत्वपूर्ण कारक अवश्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस संदर्भ में गोद लेने का विकल्प भी विचारणीय है। हमारे देश में हजारों ऐसे बच्चे हैं जो किसी कारणवश माता-पिता के स्नेह और संरक्षण से वंचित हैं। यदि सक्षम परिवार उन्हें अपनाएँ तो न केवल उन बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है बल्कि परिवारों को भी संतान सुख प्राप्त हो सकता है। दुर्भाग्य से आज भी समाज में जैविक संतान को अधिक महत्व दिया जाता है, जिसके कारण अनेक लोग गोद लेने जैसे सकारात्मक विकल्प पर गंभीरता से विचार नहीं करते।

वास्तव में माता-पिता बनने का अर्थ केवल अपनी इच्छा पूरी करना नहीं है। इसका अर्थ है आने वाले बीस-पच्चीस वर्षों तक बच्चे के जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाना, उसके सपनों को समर्थन देना और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा रहना। इसलिए संतान प्राप्ति का निर्णय लेते समय केवल वर्तमान की खुशी नहीं, बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दूरदर्शिता भी उतनी ही आवश्यक है।

अंततः प्रश्न आईवीएफ या चिकित्सा विज्ञान का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या हम अपने निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों पर पर्याप्त विचार कर रहे हैं। संतान जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है लेकिन वह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। इसलिए देर से मातृत्व-पितृत्व का निर्णय लेने से पहले स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और सबसे बढ़कर बच्चे के भविष्य को केंद्र में रखकर सोचने की आवश्यकता है। क्योंकि किसी भी बच्चे का सर्वोत्तम हित ही हर निर्णय का आधार होना चाहिए। यही परिपक्व अभिभावकत्व की पहचान है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

परमा एकादशी व्रत से होती है दरिद्रता दूर, आती है समृद्धि

हिन्दू धर्म में परमा एकादशी व्रत का विशेष महत्व होता है। अधिकमास में पड़ने के कारण इस एकादशी का महत्व बढ़ गया है। परमा एकादशी पावन एकादशी है, इस व्रत को करने से व्रत का पूरा पुण्यफल मिलता है तो आइए हम आपको परमा एकादशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। जानें परमा एकादशी व्रत के बारे में

हिन्दू धर्म में इस दिन भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही अन्न-धन समेत आदि चीजें दान की जाती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, परमा एकादशी का व्रत करने से साधक के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही सभी पापों से छुटकारा मिलता है। इस दिन कुछ गलतियों को करने से साधक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं। सनातन धर्म में एकादशी तिथि को भगवान श्रीहरि विष्णु की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। प्रत्येक माह आने वाली एकादशी भक्तों को आत्मशुद्धि और भक्ति का संदेश देती है। लेकिन जब अधिकमास में आने वाली परमा एकादशी का अवसर आता है, तब इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दुर्लभ एकादशी लगभग तीन वर्ष में एक बार आती है, इसलिए इसे अत्यंत विशेष और कल्याणकारी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से व्रत एवं पूजा करने से मनुष्य के जीवन के समस्त पाप नष्ट होते हैं और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

परमा एकादशी का है विशेष महत्व

पंडितों के अनुसार ह्यपरमाह्य शब्द का अर्थ होता है सर्वोत्तम अथवा श्रेष्ठ। इसी कारण इस एकादशी को सभी एकादशियों में विशेष फलदायी माना गया है। धर्मग्रंथों के अनुसार यह व्रत दरिद्रता और पापों से मुक्ति दिलाने वाला है। पौराणिक कथाओं में वर्णन मिलता है कि धन के देवता कुबेर ने इसी व्रत के प्रभाव से भगवान शिव की कृपा प्राप्त कर देवताओं के कोषाध्यक्ष का पद पाया था। वहीं सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र ने भी परमा एकादशी के पुण्य प्रभाव से अपना खोया हुआ वैभव और परिवार पुनः प्राप्त किया था। जो व्यक्ति श्रद्धा और नियमपूर्वक इस व्रत का पालन करता है, उसे अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्यफल प्राप्त होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि जो भक्त इस दिन भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की आराधना करता है, उसे मृत्यु के पश्चात बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है।

परमा एकादशी पर ऐसे करें पूजा, मिलेगा लाभ

पंडितों के अनुसार परमा एकादशी का व्रत खास होता है, इसलिए इस पावन दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद घर के मंदिर या पूजा स्थल को शुद्ध कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान को पीले पुष्प, धूप, दीप, चंदन, पंचामृत और फल अर्पित करें। श्रीहरि को पीले रंग की मिठाई का भोग लगाएं तथा उसमें तुलसी दल अवश्य रखें, क्योंकि तुलसी के बिना भगवान विष्णु भोग स्वीकार नहीं करते। पूजा के पश्चात परमा एकादशी व्रत कथा का श्रवण करें तथा विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। ह्लॐ नमो भगवते वासुदेवायह्व मंत्र का जाप करें।

टिप्स

अब घर पर बनाएं जीरा शिकंजी

भंयकर गर्मी और लू बचने के लिए ठंडी-ठंडी शिकंजी मिल जाए, तो सुकून मिल जाता है। शरीर को ठंडा रखने और हाइड्रेशन के लिए शिकंजी पीना फायदेमंद होता है। अचानक से घर में मेहमान आ जाए, तो नींबू निचोड़ने और चीनी घोलने में आधा समय चला जाता है। यदि आपके पास बाजार जैसा जीरा शिंकजी मसाला है, तो आपको कोई समस्या नहीं हो सकती है। फटाफट मेहमान के लिए तुरंत शिकांजी बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि होममेड जीरा शिकंजी मसाला कैसे तैयार करें।

बाजार जैसा सीक्रेट शिकंजी मसाला

इसे बनाने के लिए आपको 4 चम्मच साबुत जीरा, 2 चम्मच काली मिर्च, 2 चम्मच काला नमक, 1 चम्मच सादा सफेद नमक, आधा चम्मच सोंठ पाउडर (सूखा अदरक) और 1 चम्मच पुदीना पाउडर (ऑप्शनल) होना जरुरी है।

जीरा शिकंजी मसाला बनाने की विधि

- सबसे पहले एक पैन को गैस पर हल्का गर्म करें। इसमें आधा जीरा डालकर तब तक भूनें जब तक कि उसमें से अच्छी खुशबू न आने लगे और उसका रंग गहरा न हो जाए। अब भुने हुए जीरे को एक प्लेट में निकाल लें।
- अब मिक्सी के जार में भुना हुआ जीरा, बचा हुआ कच्चा जीरा, काली मिर्च, काला नमक, सफेद नमक और सोंठ पाउडर डाल सकते हैं। इसको आप बारीक पीस लें और आपकी शिकंजी मसाला तैयार है।

मसाले को पीसने के बाद थोड़ा इसे बाहर खुला रखें। इसके बाद किसी एयर-टाइट कांच के कंटनेर में भर कर रख दें। इस बात का ध्यान रखें कि कभी भी इसे गीले हाथ से न निकालें वरना इसमें गाठें पड़ सकती हैं और इसका स्वाद खराब हो सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

जिला प्रशासन के सहयोग से बच्चों को कराया श्रम मुक्त

बाल श्रम मुक्त जिला बनाने को लेकर चला कैंपेन

संवाददाता

साहिबगंज: विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर श्रम अधीक्षक महफूज अहमद के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं मंथन संस्था द्वारा सदर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम कर बाल श्रम मुक्त जिला बनाने को लेकर कैंपेन भी चलाया गया।शुक्रवार को धावा दल टीम द्वारा साहिबगंज के स्टेडियम रोड, गोराबाड़ी हटिया, पश्चिम फाटक, सब्जी मंडी, एल.सी रोड, बरतल्ला, पुरानी साहिबगंज, पूर्वी फाटक जैसे विभिन्न इलाकों में श्रम अधीक्षक द्वारा प्रतिष्ठानों में काम कर रहे श्रमिक बच्चों को श्रम मुक्त कराया और प्रतिष्ठा मलिक को कड़ी हिदायत दिया गया कि अगर दोबारा नाबालिक बच्चों से श्रम कराते हुए पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जुमार्ना भी किया जाएगा। शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में बाल श्रम से संबंधित पोस्टर बैनर भी लगा कर लोगों को जागरूक करने का काम किया गया। विदित हो कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरूआत अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा वर्ष 2002 में की गई थी।इसका मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की वैश्विक सीमा पर ध्यान केंद्रित करना और बाल श्रम को पूरी तरह से खत्म करने के लिये आवश्यक प्रयास करना है।अभियान में गठित धावादल टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी बासुदेव मृधा, मोहम्मद इरशाद अंसारी, राहुल कुमार, शुभभ सौरव, मंथन संस्था से जिला समन्वयक अमन वर्मा, चाइल्ड हेल्पलाइन से सुमन कुमार, संजीव कुमार व अन्य मौजूद रहे।

लोजपा रामविलास यू के प्रदेश प्रवक्ता आकाश पांडेय ने कहा-

2014 से पहले यूपीए सरकार को रिमोट कंट्रोल से चलाया जाता था

संवाददाता

साहिबगंजः पूर्व में कांग्रेस के नेतृत्व में जो यूपीए की सरकार थी उस सरकार को एक परिवार द्वारा रिमोट कंट्रोल से चलाया जाता था। उक्त बातें लोजपा रामविलास यू के प्रदेश प्रवक्ता आकाश पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन की सरकार ने अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे किए। नरेंद्र मोदी का यह कार्यकाल देश के इतिहास में सबसे लंबे कालखंड के साथ - साथ सबसे बेहतरीन कार्यकाल और स्थिर कार्यकाल रहा। आकाश पांडेय ने कहा कि आज भारत चांद तक पहुंच गया, देश की सीमा सुरक्षित है, आतंकी संगठन और आतंकवादी को आज उन्हीं की भाषा में जवाब देते हुए उनको नेस्तनाबूद किया जा रहा हैं। देश की अर्थव्यवस्था सुद्दढ़ हुई है, हर वर्गों के हित में कार्य किए जा रहे हैं, कहा कि देश के अन्नदाता के लिए भी केंद्र सरकार हर संभव प्रयास करके कृषि के क्षेत्र में भी अद्भुत कार्य कर रहा हैं।वही श्री पांडेय ने कहा कि विपक्ष के लिए 2050 तक प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है।

न्यूज IN ब्रीफ

साहिबगंज में पहली बार क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का सफल आयोजन हुआ :एसपी

70वीं संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट में पाकुड़ ओवरऑल चैंपियन साहिबगंज उपविजेता

साहिबगंज: 70वीं संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का समापन शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में हुआ। समापन समारोह में एसपी अमित कुमार सिंह ने ओवरऑल चैंपियन पाकुड़ जिला बल, उपविजेता साहिबगंज जिला बल और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता पुलिस अधिकारियों और जवानों को मेडल, मोमेंटो व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।प्रतियोगिता का आयोजन सीआईडी और राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला के विशेषज्ञों की देखरेख में किया गया। इसमें फिंगरप्रिंट, क्राइम इन्वेस्टिगेशन, फॉरेंसिक साइंस, मेडिको-लीगल, कंप्यूटर अवेयरनेस, फोटोग्राफी, पुलिस पोर्ट्रेट, ऑब्जर्वेशन टेस्ट समेत विभिन्न विषयों पर लिखित, मौखिक और प्रायोगिक परीक्षाएं हुईं। परिणाम के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। ओवरऑल रेंज चैंपियन का खिताब जामताड़ा के आरक्षी मुचकुंद कुमार राय ने, जबकि उपविजेता का खिताब पाकुड़ के इंस्पेक्टर प्रयाग दास ने हासिल किया।एसपी अमित कुमार सिंह ने कहा कि पहली बार साहिबगंज में क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का सफल आयोजन हुआ है। इससे पुलिसकर्मियों की अनुसंधान क्षमता और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित टीमों को शुभकामनाएं दीं।राज्य पुलिस मीट के लिए दो टीमों का गठन साहिबगंज में आयोजित क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट के आधार पर राज्य पुलिस मीट-2026 के लिए संताल परगना क्षेत्र की दो टीमों का गठन किया गया। टीम-ए में पाकुड़ के इंस्पेक्टर प्रयाग दास, दुमका के एसआई रोहित साव, देवघर के एसआई शशि कपूर, साहिबगंज के एएसआई पवन कुमार तथा जामताड़ा के आरक्षी मुचकुंद कुमार राय शामिल हैं। टीम-बी में देवघर के इंस्पेक्टर राकेश कुमार रवि, साहिबगंज के एसआई पंकज कुमार दुबे, गोड्डा के एसआई रोहित कुमार यादव, दुमका के एएसआई परवेज आलम और पाकुड़ के आरक्षी राकेश कुमार सरकार को स्थान मिला है। दुमका प्रक्षेत्र के डीआईजी ने चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी। विजेताओं ने जताई खुशी पाकुड़ के इंस्पेक्टर प्रयाग दास ने कहा कि ओवरऑल चैंपियन बनना पूरी टीम के लिए गर्व की बात है। उन्होंने भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य बताया। वहीं ओवरऑल रेंज चैंपियन बने जामताड़ा के आरक्षी मुचकुंद कुमार राय ने कहा कि लगातार मेहनत का परिणाम मिला है और अब राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतना उनका लक्ष्य है।

साहिबगंज स्टेशन पर पूछताछ के दौरान गलतफहमी के बाद मामला शांत

साहिबगंज : रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित प्रतीक्षालय में गुरुवार देर रात एक यात्री से पूछताछ के दौरान कुछ देर के लिए हंगामे की स्थिति बन गई। यात्री चंद्र हर्ष कुमार अपने परिवार के साथ रात में स्टेशन पर रुका हुआ था। संदेह होने पर जीआरपी जवान ने उसे पूछताछ के लिए रेल थाना चलने को कहा, जिसके बाद परिजनों ने आपत्ति जताई और कुछ देर तक विवाद की स्थिति रही। सूचना पर नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। रेल थाना प्रभारी कैलाश महतो ने बताया कि देर रात महिला-पुरुष के बयानों में अंतर मिलने पर संदेह के आधार पर पूछताछ की गई थी। किसी प्रकार की मारपीट या धक्का-मुक्की नहीं हुई। बाद में यात्रियों को पूरी बात समझाई गई, जिसके बाद मामला शांत हो गया। इस संबंध में किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

जेजेए बरहेट प्रखंड कमिटी के अध्यक्ष बने अजीत कुमार झा, कोषाध्यक्ष बनाए गए ब्रजनंदन गुप्ता

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेटः भूतेश्वर नाथ मंदिर परिसर में झारखंड जर्नलिस्ट एसोशिएसन जेजेए की बैठक जिला प्रभारी शौकत खान के निदेर्शानुसार आयोजित की गई।जहां इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड प्रभारी आलोक कुमार उपस्थित थे।उधर बैठक में मुख्य रूप से संगठन विस्तार एवं संगठन मजबूती को लेकर चर्चा की गई।जहां इस बैठक में अजीत कुमार झा, ब्रजनंदन गुप्ता, मल्लिक अख्तर, दीपक कुमार डोकानिया नागराज साह, श्रीकांत सेन, केदार साह, शंकर पंडित, विपिन रूज, नवीन चौधरी उपस्थित थे। उधर बैठक में सर्वसम्मति से बरहेट प्रखंड कमिटी के लिए अजीत कुमार झा को प्रखंड अध्यक्ष, ब्रजनंदन गुप्ता को कोषाध्यक्ष, सचिव मल्लिक अख्तर, सह सचिव दीपक कुमार डोकानिया, श्रीकांत सेन को उपाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी समिति सदस्य के रूप में केदार साह, नागराज साह, शंकर पंडित, विपिन रूज एवं नवीन चौधरी का चयन किया गया।

प्रदेश कमेटी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार :चंदन कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ जिला इकाई साहेबगंज के कार्यकारणी सदस्य बृजमोहन केशरी को सत्र 2026 - 2029 का राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ झारखंड प्रदेश कमेटी का विस्तारोपरांत मनोनयन के उपरांत झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया और राम प्रसाद रक्षित को कार्यकारणी सदस्य बनाया गया जबकि साहिबगंज जिला कमेटी के सदस्यगण इसके लिए बृजमोहन केशरी जी से मुलाकात कर बधाई दिया । जिला अध्यक्ष चंदन कुमार रमानी ने बताया कि यह हमारे

जिला के लिए बहुत खुशी की बात है । हमारा साहिबगंज जिला कमेटी अब तक जिला के साथ अपने प्रमंडल तक कार्य कर रहा था अब प्रदेश कमेटी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार हैं । साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले 16/17 जून को भुवनेश्वर, उड़ीसा में होने वाले अपने संगठन के राष्ट्रीय सम्मेलन में साहेबगंज जिला कमेटी के लगभग 30 से 35 सदस्य शामिल होने जा रहें हैं । जिला सचिव नन्द किशोर दास ने नव मनोनीत प्रदेश उपाध्यक्ष बृज मोहन केशरी जी को हार्दिक बधाई दी साथ ही झारखंड प्रदेश कमिटी का आभार जताया। जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार कुशवाह ने कहा कि यह हमारे जिला कमेटी के लिए बहुत ही हर्ष की बात है कि हमारे झारखंड प्रदेश कमेटी में अपने जिला से दो सदस्य को स्थान मिला । आशा ही नहीं मुझे पुर्ण विश्वास है कि इससे हमारे जिला कमेटी को और भी बल और मजबूती मिलेगा। बृजमोहन केशरी जी ने कहा कि मैं अपने जिला कमेटी का आभार व्यक्त करता हु कि जिन्होंने मेरा नाम अनुशंसा कर प्रदेश कमेटी को दिया मैं अपने प्रदेश कमेटी का भी आभार व्यक्त करता हु कि जिन्होंने मुझे प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में चयन किया मैं आशा दिलाता हू मैं अपने पद के अनुरूप कार्य करुंगा

एसआईआर कार्यक्रम को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

अपने-अपने बूथों के बीएलए से नियमित संपर्क बनाए रखने का निर्देश

साहिबगंज: जिला कांग्रेस कार्यालय, साहिबगंज में जिला कांग्रेस कमेटी साहेबगंज की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक का मुख्य उद्देश्य एसआईआर संबंधित चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा करना आवश्यक जानकारी प्राप्त करना व आगामी कार्यों के लिए दिशा-निर्देश जारी करना था। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बूथों के बीएलए से नियमित संपर्क बनाए रखें। और जिन मतदाताओं के नाम अनमैप सूची में शामिल हैं। उनके आवश्यक दस्तावेज एकत्रित कर बीएलए के माध्यम से नामों के सत्यापन एवं मैपिंग कार्य में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने तथा प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिया कि15 जून 2026 तक अधिक से अधिक लोगों के नामों की मैपिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष के निदेर्शों का पालन करते हुए अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया तथा बूथ स्तर पर व्यापक जनसंपर्क कर लोगों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। बैठक में मुर्शाद अली, मोहम्मद कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, उमेश कुमार पांडे, राम सिंगार ओझा, सरफराज आलम, सतीश पासवान सब्दुल अंसारी, मोहम्मद आफताब आलम, लोकनाथ घोष, मोहम्मद नौशाद, अली कुरेशी, मोहम्मद रिजवान, मो मेराजुद्दीन, शशिधर यादव, मोहम्मद सैफुद्दीन, विमल देव भगत अनिल यादव एवं दर्जनों कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे।

वार्ड पार्षद की चाची का निधन

साहिबगंजःनगर पार्षद क्षेत्र के वार्ड पार्षद 22 के सुरेन्द्र यादव की चाची कबूतर खोपी निवासी धन पतिया देवी 60 पति दशरथ यादव कबूतर खोपी निवासी का हुआ स्वर्गवास।अपने पीछे दो बेटा एवं तीन बेटियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गई।इस दुख के घड़ी में आसपास सहित शुभचिंतको ने अपनी संवेदना प्रकट की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर परिषद का जागरूकता रैली

स्वच्छता अभियान और पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद साहिबगंज द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों पदाधिकारियों कर्मियों व आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली व अधिक से अधिक वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया जिसमें प्रतिभागियों ने पर्यावरण बचाने हरित भविष्य के निर्माण का संदेश देते हुए नगरवासियों को प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।इसके उपरांत मुक्तेश्वर धाम स्थित गंगा तट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गंगा किनारे व आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई । लोगों को स्वच्छ पर्यावरण और स्वच्छ जल स्त्रोतों के महत्व की जानकारी दी गई। उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम के दौरान आम लोगों के बीच पौधों का वितरण किया । जिसमें सभी से अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा लगाने व उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ और हरित वातावरण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उपाध्यक्ष विनीता देवी, कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नमामि गंगे अमित कुमार सिंह, सभी वार्डों के वार्ड पार्षद, नगर परिषद के पदाधिकारी एवं कर्मी सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

जमशेदपुर में शिमुल-26 कला प्रदर्शनी शुरू, दो दिवसीय आयोजन में स्थानीय उभरते कलाकारों को मंच मिला

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर की समृद्ध सांस्कृतिक और कलात्मक परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आर्टिस्ट फोरम ऑफ जमशेदपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय कला प्रदर्शनी ह्यशिमुल-26ह्न का शुभारंभ शनिवार को बंगाल क्लब स्थित आचार्य नंदलाल बोस आर्ट गैलरी में हुआ। सुबह 9:30 बजे उद्घाटन के साथ शुरू हुई इस प्रदर्शनी में शहर और आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभाशाली कलाकारों की उत्कृष्ट कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। प्रदर्शनी में कला की विभिन्न विधाओं और शैलियों का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। यहां प्रदर्शित पेंटिंग्स, स्केच, वॉटर कलर, एक्रेलिक आर्ट, आधुनिक कला तथा पारंपरिक चित्रकला की कृतियां कला प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। कलाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रकृति की सुंदरता, सामाजिक सरोकारों, मानवीय संवेदनाओं, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक जीवन की चुनौतियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।उद्घाटन समारोह में कलाकारों, कला प्रेमियों, शिक्षाविदों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आगंतुकों ने विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए कलाकारों की सृजनात्मक सोच, कल्पनाशीलता और तकनीकी दक्षता की सराहना की। कई कलाकृतियां अपनी मौलिकता, विषय-वस्तु और रंगों के उत्कृष्ट संयोजन के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। आर्टिस्ट फोरम ऑफ जमशेदपुर के पदाधिकारियों ने बताया कि ह्यशिमुल-26ह्न का मुख्य उद्देश्य स्थानीय और उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करना है।

इसके साथ ही समाज में कला और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना भी इस आयोजन का प्रमुख लक्ष्य है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर जिले में जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंज: झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर साहेबगंज जिले के विभिन्न पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना तथा उन्हें शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण से जोड़ना था। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत पारा लीगल वॉलंटियर्स- न्याय मित्रों द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों एवं बच्चों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आमजनों को बताया गया कि बाल श्रम बच्चों के शारीरिक मानसिक सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यह उनके उज्ज्वल भविष्य में बाधा उत्पन्न करता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम, बच्चों के शिक्षा का अधिकार, किशोर न्याय संबंधी प्रावधानों तथा बच्चों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है और समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में सहयोग करे।जागरूकता कार्यक्रम में बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी, बाल शोषण एवं बाल अधिकारों के उल्लंघन से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों को यह जानकारी दी गई कि यदि किसी बच्चे से श्रम कराया जा रहा हो या उसके अधिकारों का हनन हो रहा हो तो संबंधित विभाग अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकार को इसकी सूचना देकर कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है।उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल श्रम के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा बच्चों के लिए सुरक्षित, शिक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम मुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। जबकि स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण, बच्चों को विद्यालय से जोड़ने एवं उनके अधिकारों की रक्षा हेतु सामूहिक संकल्प लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई

जापान में होने वाले एशियाई खेल के लिए भारत की 30 सदस्यीय निशानेबाजी टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेलों के लिए भारत की 30 सदस्यीय निशानेबाजी टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय दल में 15 पुरुष और 15 महिला निशानेबाज शामिल किए गए हैं। निशानेबाजी स्पधाएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग रेंज में आयोजित होंगी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने निर्धारित सभी पात्रता मानकों को खिलाड़ियों ने पूरा किया, लेकिन आयोजन समिति की सीमित कोटा प्रणाली के कारण अंतिम टीम 30 खिलाड़ियों तक सीमित रखी गई। चयन समिति ने विभिन्न स्पधाओं में एक से अधिक वर्गों में भाग लेने की क्षमता रखने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी, ताकि भारत अधिकतम स्पधाओं में भाग लेकर

पदक संभावनाएं मजबूत कर सके। इस रणनीति के तहत विदार्सा के. विनोद, रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल, मनु भाकर और ईशा सिंह को एक से अधिक स्पधाओं में शामिल किया गया है।

एनआरएआई अध्यक्ष कालीकेश सिंह देव ने कहा कि भारतीय निशानेबाजी में प्रतिभा का स्तर लगातार बढ़ा है और अंतिम टीम का चयन बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह दल एशियाई खेलों में भारत को मजबूत दावेदार के रूप में प्रस्तुत करेगा।

भारतीय दल में कुल 12 शॉटगन निशानेबाज और 18 राइफल-पिस्टल वर्ग के खिलाड़ी शामिल हैं। हाल के महीनों में भारतीय निशानेबाजों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने कई पदक जीते थे। म्यूनिख विश्व कप में ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक और विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल में सुरुचि सिंह और ईशा सिंह ने स्वर्ण

एशियाई खेल के लिए भारत की निशानेबाजी टीम
राइफल और पिस्टल वर्ग (18 खिलाड़ी)

10 मीटर एयर राइफल (पुरुष)
1. पार्थ राकेश माने
2. हिमांशु ढिल्लों
3. रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल

10 मीटर एयर राइफल (महिला)
4. एलावेनिल वलारिवन
5. सोनम उत्तम मास्कर
6. विदार्सा के. विनोद

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (पुरुष)
7. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर
8. नीरज कुमार
9. रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (महिला)
10. आशी चौकसी
11. विदार्सा के. विनोद
12. तिलोत्तमा सेन

10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष)
13. केदारलिंग बी. उचगांवकर
14. गौरव
15. कमलजीत

10 मीटर एयर पिस्टल (महिला)
16. सुरुचि
17. ईशा सिंह
18. मनु भाकर

25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (पुरुष)
19. अनीश

25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल (महिला)
20. ईशा सिंह
21. मनु भाकर
22. राही सरनोबत

शॉटगन वर्ग (12 खिलाड़ी)

ट्रैप (पुरुष)
23. क्यानन चेन्नई
24. अहवार रिजवी
25. शपथ भारद्वाज

ट्रैप (महिला)
26. नीरू
27. मनीषा कीर
28. आशिमा अहलावत

स्कीट (पुरुष)
29. अनंतजीत सिंह नरुका
30. भवतेग सिंह गिल
31. मैराज अहमद खान

स्कीट (महिला)
32. परीनाज धालीवाल
33. राइजा ढिल्लों
34. महेश्वरी चौहान

नोट : आधिकारिक दल 30 खिलाड़ियों का है।

25वीं छग स्टेट सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा 2026 : एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना में 21 जून को

एजेसी

कोरबा : योनेक्स-सनराइज 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा-2026 का आयोजन अगले माह 1 से 5 जुलाई के बीच बिलासपुर में होने जा रहा है। इस स्पर्धा के अन्तर्गत सीधे मेन ड्रा एवं क्वालिफाइंग राउंड में जगह बनाने विभिन्न वर्ग से जिले के खिलाड़ियों का चयन किया जाना है।

इसी प्रक्रिया के अंतर्गत स्टेट सीनियर रैंकिंग टूनार्मेंट के लिए कोरबा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन (केडीबीए) के तत्वावधान में जिले की चयन प्रतियोगिता का आयोजन रविवार 21 जून को एकलव्य स्पोर्ट्स एरीना कोरबा में सुबह 10 बजे से रखा गया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं सचिव मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि, वे सभी खिलाड़ी, जो इस प्रतियोगिता में भाग लेने इच्छुक हैं, वे चयन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 19 जून शाम 5 बजे तक अपनी एंट्री दर्ज कराना होगा। निर्धारित की गई अवधि के बाद किसी भी एंट्री पर विचार नहीं किया जाएगा। यह जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता केवल पुरुष एवं महिला वर्ग के एकल वर्ग के लिए आयोजित की जाएगी। चयन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए एंट्री फीस 500 रुपए तय की गई है। साथ ही ऐसे सभी खिलाड़ी, जो रैंकिंग प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड में खेलना चाहते हैं, उन्हें अपनी एंट्री 21 जून की शाम 5 बजे तक अनिवार्य रूप से दर्ज करा लेने कहा गया है। साथ ही उन्हें यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी सुनिश्चित कर लें, कि उनकी आईडी एक्टिव हो। अन्यथा की स्थिति में उनकी एंट्री पर विचार नहीं किया जा सकेगा।

राम चरण की 'पेद्दी' का 'तूफान'

छठे दिन भी हुई छप्परफाड़ कमाई, शाहरुख-प्रभास समेत इन 10 एक्टर्स को पछाड़ा!

राम चरण की 'पेद्दी' वीक डेज में पहुंचते ही थोड़ा स्ट्रगल करती हुई दिख रही है. लेकिन फिल्म ने पहले ही 6 दिन में काफी कारोबार कर लिया है. यूं तो 'पेद्दी' जल्द ही 300 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर लेगी. पर उससे पहले ही यानी छठे दिन राम चरण ने शाहरुख खान और प्रभास समेत इन 10 एक्टर्स को पीछे छोड़ दिया है. जानिए फिल्म ने कितने करोड़ का कारोबार कर लिया है? राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' को आए 6 दिन पूरे हो गए हैं. और एक हफ्ते से पहले ही फिल्म 300 करोड़ के क्लब के करीब पहुंच गई है. अगले वीकेंड तक बड़े आराम से फिल्म इस माइलस्टोन को हासिल कर लेगी, लेकिन हिंदी से कमाई अब भी बढ़ती हुई दिख नहीं रही है. जी हां, 1 करोड़ से ऊपर 'पेद्दी' हिंदी बॉक्स ऑफिस पर बीते दिन भी नहीं कमा पाई है. जो कमाई को और स्लो कर रहा है. फिल्म ने छठे दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 9.65 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं बीते दिन टोटल शोज की संख्या 7,554 रही और ऑक्यूपेंसी परसेंट 23.4 रहा. इसी के साथ ही फिल्म ने भारत से कुल 179.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. दरअसल मंडे के मुकाबले मंगलवार को बिजनेस में 19.9 परसेंट की कमी आई है. सैकनिल्क की रिपोर्ट सामने आ गई है. जिसके मुताबिक, राम चरण की 'पेद्दी' ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 261.23 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. वहीं, बीते दिन दिन ओवरसीज से 1 करोड़ कमाए हैं. इसके साथ ही 'पेद्दी' ने ओवरसीज से 48 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. वहीं, फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 213.23 पहुंच गया है. दरअसल फिल्म की टोटल ऑक्यूपेंसी 27.12 परसेंट रही है. अब जानिए किन एक्टर्स को पीछे छोड़ा है.

घरेलू हिंसा मामले में सपना चौधरी को राहत, एक्ट्रेस को सुरक्षा, कोर्ट ने पति पर लगाई पाबंदी

हरियाणा की एक्ट्रेस और सिंगर सपना चौधरी को दिल्ली की द्वारका महिला कोर्ट से घरेलू हिंसा मामले में मंगलवार को अंतरिम राहत मिल गई है। अदालत ने उन्हें महिला संरक्षण कानून के तहत सुरक्षा प्रदान करते हुए उनके पति के खिलाफ कई प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। द्वारका कोर्ट ने आदेश दिया है कि अगली

सुनवाई तक सपना चौधरी के पति यशवीर साहू उनसे किसी भी तरह का संपर्क नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही उन्हें सपना चौधरी के घर, कार्यस्थल या किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम जैसे फिल्म प्रीमियर आदि में जाने से भी रोक दिया गया है। यह आदेश न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी निधि सिंह ने सपना चौधरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उन्हें अपने वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा और भविष्य में ऐसी घटनाओं के दोहराए जाने की आशंका बनी हुई है। याचिका में यह भी कहा गया कि कथित विवादों के चलते सपना चौधरी को अपना घर छोड़ना (ससुराल) पड़ा और वह वर्तमान में दिल्ली के नजफगढ़ स्थित अपने मायके में रह रही हैं। अदालत में उनकी ओर से अधिवक्ता प्रीति सिंह ने दलील दी कि 10 जून को सपना चौधरी की फिल्म 'मोमाकू' का प्रीमियर होना है, जिसमें उनका उपस्थित रहना आवश्यक है, लेकिन आशंका जताई गई कि उनके पति वहां पहुंचकर हंगामा, धमकी या किसी तरह की बाधा उत्पन्न कर सकते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और पेशेवर कार्य प्रभावित हो सकता है।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

बोलीं- इसकी सोच एकदम नई

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं। यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं। ' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है।

समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी, तभी दर्शकों से जुड़ी रहेंगी फिल्में : कंगना रनौत

फिल्मों की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शक ऐसी कहानियां देखना चाहता है, जिनसे वह खुद को जोड़ सके और जिनमें उसे अपने जीवन की झलक दिखाई दे। इसी विषय पर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने बातचीत में कहा कि फिल्मों को समाज के साथ-साथ खुद को भी बदलना होगा। अगर सिनेमा समय की मांग को नहीं समझेगा, तो दर्शकों से उसका रिश्ता कमजोर हो सकता है। इंटरव्यू के दौरान आईएएनएस ने कंगना रनौत से पूछा गया कि क्या बड़े कलाकारों की भारी फीस फिल्मों को नुकसान पहुंचाने का कारण बनती है। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तब उसके हर खर्च पर सवाल उठना शुरू हो जाता है। लोग यह देखने लगते हैं कि पैसा कहां और कितना खर्च किया गया। ऐसे समय में कलाकारों की फीस से लेकर फिल्म निर्माण के हर हिस्से पर चर्चा होती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी घर की आमदनी कम हो जाए, तो परिवार अपने खर्चों को भी कम करने की कोशिश करता है। लोग सोच-समझकर पैसा खर्च करते हैं और गैर जरूरी खर्चों पर रोक लगाते हैं। ठीक इसी तरह जब फिल्मों की कमाई कम होती है, तो इंडस्ट्री भी अपने खर्चों का हिसाब-किताब देखने लगती है। ऐसे में कलाकारों की फीस पर सवाल उठना स्वाभाविक बात है। कंगना ने आगे कहा, ''यह सिर्फ फीस का मामला नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि फिल्में समय के साथ बदलें। समाज तेजी से बदल रहा है, लोगों की सोच बदल रही है और मनोरंजन देखने का तरीका भी बदल चुका है।

'370 की बिरयानी' वाले

मजाक पर आग बबूला हुई कुशा

कंटेंट क्रिएटर, इंफ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं कुशा कपिला ने स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणीत मोरे और उनके शो में हुई '370 की बिरयानी' वाली कंट्रोवर्सी पर अपने गुस्सा जाहिर किया है। शो के वायरल वीडियो और उससे जुड़े विवाद पर कुशा खुलकर बोली हैं। साथ ही महिलाओं को भी एक खास संदेश एक्ट्रेस ने दिया है। कुशा कपिला ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में कुछ वीडियो पोस्ट किए। जिसमें वह कहती हैं, 'आपने (कंटेंट क्रिएटर) वह वीडियो एडिट करवाकर पब्लिश करवाई, उसके लिए आपकी भी जिम्मेदारी बनती है।' कुशा का मानना है कि ऐसा मटीरियल अपलोड करना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है। वह आगे कहती हैं, 'मैं महिलाओं से अपील करती हूं कि वे घटिया कॉमेडी के खिलाफ खुलकर बोलें। कृपया डरें नहीं। अगर किसी ने बकवास की है, तो उसकी जमकर आलोचना करें। ऐसी क्लिप अपलोड करना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला होता है। कुछ खास तरह के मजाक करना और उन्हें अपने चैनल पर दिखाना भी आपका फैसला है।

बाबा विश्वनाथ व मां गंगा ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया गरीबों की पीड़ा समाप्त करने का सामर्थ्य: योगी

- केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री, काशीवासियों को दी बधाई

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कोई महान व्यक्तित्व नेतृत्व करता है तो वह देश असुरक्षा, भ्रष्टाचार से मुक्त होकर महान बनता है। देश का नेतृत्व करने वाले महान व्यक्तित्व काशी के सांसद नरेंद्र मोदी हैं। प्रधानमत्री ने गरीबी देखी है, इसलिए बाबा विश्वनाथ व मां गंगा ने उन्हें गरीब की पीड़ा समाप्त करने की सामर्थ्य दी है। मुख्यमंत्री ने केन्द्र के जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 के बाद सपने हकीकत में बदल रहे हैं। जब संवेदनशील व्यक्तित्व नेतृत्व करता है तो संवेदना दिखती है। मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ व मां गंगा से प्रार्थना की कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व लंबे समय तक देश को मिलता रहे। मुख्यमंत्री केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने और निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक जनसेवा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र स्थित गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल चौकाघाट में शुक्रवार शाम आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा विश्वनाथ धाम का हर व्यक्ति अभिभूत व गौरवान्वित है, क्योंकि 12 वर्ष पहले नए भारत को नेतृत्व देने के लिए काशी ने सांसद के रूप में मोदी का चुनाव किया। मुख्यमंत्री ने 2014 के पहले की दुर्दशा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हमने मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को देखा है। 2014 के पहले की अव्यवस्था व भ्रष्टाचार ने वैश्विक मंच पर भारत की छवि को धूमिल कर दिया था। चारों ओर अविश्वास, आंतरिक-वाह्य सुरक्षा पर खतरा, हर तबके में निराशा व हताशा थी। पिछली सरकारों की गलत नीतियों ने उद्यमियों को श्रमिक बना दिया। श्रमिक पलायन, किसान आत्महत्या करने को मजबूर था। नौजवान के लिए नौकरी, रोजगार व दिशा भी नहीं थी। महिलाएं असुरक्षित थीं। हर योजना लागू होने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश के 120 जनपद नक्सलवाद के शिकार थे। जब हम सीमा पर घुसपैठ का मुद्दा उठाते थे तो संसद में तत्कालीन सरकार कहती थी कि इस पर अधिक वक्तव्य नहीं देना चाहिए क्योंकि रिश्ते खराब हो जाएंगे। हमारे सैनिकों के साथ क्रूरता होती थी, लेकिन तत्कालीन सरकार मौन रहती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद हर योजना गरीब, महिलाओं, नौजवानों व किसानों के लिए समर्पित है। किसान, कारीगर, हस्तशिल्पी, स्ट्रीट वेंडर्स, नवजात शिशु, अध्ययनरत युवा स्नातक, महिला-पुरुष, बुजुर्ग-नौजवान समेत हर तबके के लिए योजना बनाने और उनके उत्थान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनधन योजना के तहत हर गरीब का बैंक में खाता खुला। उस समय कांग्रेस व सपा हंसकर कहती थीं कि बेवकूफ बना दिया, लेकिन जब मोदी ने सरकारी सहायता में कट/कमीशन रोकने के लिए डीबीटी का इस्तेमाल शुरू किया तो यह सपा व कांग्रेस के मुंह पर तमाचा था। एक लाचार पीएम कहते थे कि 100 रुपये भेजता हूं और नीचे केवल 15 रुपये पहुंचते हैं। एक प्रधानमंत्री मोदी हैं, वह कहते हैं कि 100 रुपये भेजता हूं तो सीधे गरीब के खाते में जाते हैं।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में अब गूंजेंगे राष्ट्रगान

राज्यगीत और भोजन मंत्र; शिक्षा विभाग ने जारी किए कड़े निर्देश

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के सरकारी और निजी स्कूलों में अब बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, राष्ट्रीय चेतना और भारतीय संस्कृति से गहराई से जोड़ा जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 से प्रदेश की सभी शालाओं में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राज्यगीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के नियमित व अनिवार्य संचालन के कड़े निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय महानदी भवन (नवा रायपुर) से शुक्रवार को जारी इस आदेश के तहत सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार, स्कूलों में अब प्रतिदिन तीन अलग-अलग समय पर निर्धारित क्रम में गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रातःकालीन सत्र स्कूल प्रारंभ होने पर सुबह की प्रार्थना सभा में एक तय क्रम के अनुसार यह प्रस्तुतियां अनिवार्य होंगी। विद्यालय प्रारंभ होने पर प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, दीपमंत्र, सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र तथा महापुरुषों की जीवनी का वाचन कराया जाएगा। इसी प्रकार मध्यान्ह भोजन के समय विद्यार्थियों द्वारा भोजन मंत्र का सामूहिक पाठ किया जाएगा। वहीं विद्यालय की छुट्टी के समय संध्या सत्र में राज्यगीत, गायत्री मंत्र एवं शांति मंत्र का सामूहिक वाचन कराया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग का मानना है कि इन गतिविधियों के नियमित और प्रभावी संचालन से छात्रों में न केवल राष्ट्रप्रेम और अनुशासन की भावना मजबूत होगी, बल्कि उनके भीतर नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना का भी सही विकास होगा। यह पहल विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं और राष्ट्रीय मूल्यों से परिचित कराने में मील का पत्थर साबित होगी। शासन ने स्पष्ट किया है कि सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रतिदिन स्कूलों का औचक निरीक्षण करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इन नियमों का कड़ाई से पालन हो रहा है या नहीं। निर्धारित क्रम में अवहेलना पाए जाने पर संबंधित स्कूल प्रबंधन या प्राचार्यों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई भी की जा सकती है।

भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता को बनाया जन आंदोलन : जगत प्रकाश नड्डा

एजेंसी

शिमला : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को शिमला के चौड़ा मैदान में आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारत के संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई की तथा उन्हें माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को केवल एक सरकारी कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे देशव्यापी जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व के कारण आज देश का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के महत्व को समझ रहा है तथा इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। उन्होंने कहा

कि स्वच्छ भारत अभियान ने देश में एक नई सोच का निर्माण किया है। पहले स्वच्छता को लेकर जिस प्रकार की उदासीनता देखने को मिलती थी, वह अब बदल चुकी है। आज समाज के सभी वर्ग, युवा, महिलाएं और आम नागरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर इस अभियान से जुड़ रहे हैं। यही कारण है कि स्वच्छता अब केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व बन चुकी है। जेपी नड्डा ने कहा कि जब भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलता है तो भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि स्वच्छता अभियान से जुड़कर समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि शिमला प्रवास के दौरान चौड़ा मैदान स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई करना और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना उनके लिए गौरव का विषय है। बाबा साहेब ने देश को संविधान के रूप में अमूल्य धरोहर प्रदान की और उनके आदर्शों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

असम आबकारी नियमों में संशोधन, शराब दुकानों की दूरी और लाइसेंस स्थानांतरण के नए नियम लागू

एजेंसी

गुवाहाटी : असम सरकार ने राज्य के आबकारी क्षेत्र में व्यापक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए असम आबकारी (संशोधन) नियमावली, 2026 लागू कर दी है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद जारी नई नियमावली के तहत शराब बिक्री, दुकानों की स्थापना, लाइसेंस स्थानांतरण तथा राजस्व संग्रहण से जुड़े कई नए प्रावधान लागू किए गए हैं। अधिसूचना जारी होने के साथ ही ये नियम पूरे राज्य में प्रभावी हो गए हैं। नए नियमों के अनुसार भारतीय निर्मित विदेशी मदिरा (आईएमएफएल), बीयर और देशी शराब के थोक तथा खुदरा ऑफ-शॉप लाइसेंसधारकों के लिए न्यूनतम सुनिश्चित राजस्व

(एमजीआर) जमा करना अनिवार्य होगा। वित्तीय वर्ष को चार तिमाहियों में विभाजित कर क्रमशः 22, 25, 27 और 26 प्रतिशत राजस्व वसूला जाएगा। निर्धारित राजस्व जमा नहीं करने पर बकाया राशि पर 10 प्रतिशत जुमार्ना तथा विलंब होने पर प्रति माह 1.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज देना होगा। संशोधित नियमों में शराब दुकानों के बीच न्यूनतम दूरी को भी सख्ती से निर्धारित किया गया है। इसके तहत कामरूप (मेट्रो) जिले में दो खुदरा शराब दुकानों के बीच कम से कम 500 मीटर, अन्य नगर निगम, नगरपालिका और नगर समिति क्षेत्रों में एक किलोमीटर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में दो किलोमीटर की दूरी अनिवार्य होगी। खुदरा ऑफ-शॉप में केवल सीलबंद और कैप्सूलयुक्त 180 मिलीलीटर या उससे अधिक क्षमता वाली बोतलों में ही शराब बिक्री की अनुमति होगी। वहीं बार सहित ऑन-शॉप प्रतिष्ठानों में न्यूनतम 750 मिलीलीटर की बोतलों का उपयोग करना होगा। ग्राहकों को शराब परोसने के लिए पेग माप का उपयोग किया जा सकेगा और एक पूर्ण पेग 60 मिलीलीटर निर्धारित किया गया है। दुकानों के स्थानांतरण संबंधी नियमों में भी बदलाव किया गया है। किसी जिले के भीतर, नगर निगम क्षेत्र से बाहर स्थित दुकान को आबकारी आयुक्त की पूर्व स्वीकृति के बाद जिला आयुक्त स्थानांतरित करने की अनुमति दे सकेंगे। नगर निगम क्षेत्रों में स्थानांतरण के लिए राज्य सरकार की मंजूरी आवश्यक होगी। अब ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों या नगरपालिका क्षेत्रों में शराब दुकान स्थानांतरित नहीं की जा सकेगी, हालांकि शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानांतरण की अनुमति रहेगी। अंतर-जिला स्थानांतरण के मामले में कामरूप (मेट्रो) से अन्य जिलों में दुकान स्थानांतरित की जा सकेगी, लेकिन अन्य जिलों से कामरूप (मेट्रो) में स्थानांतरण की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा लाइसेंस प्राप्त करने के तीन वर्ष के भीतर किसी भी अंतर-जिला स्थानांतरण पर रोक रहेगी।

मप्र: स्कूलों में आज मनेगा अपार आईडी दिवस, 30 जून तक चलेगा अभियान

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के सभी स्कूलों में आज शनिवार को अपार आईडी दिवस मनाया जा रहा है। इस दौरान पालकगणों के सहमति पत्र के आधार पर बच्चों की अपार आईडी बनवाई जाएगीं। साथ ही आधार में त्रुटि, दस्तावेजों में कमी अथवा अन्य तकनीकी कारणों से लंबित अपार आईडी प्रकरणों का निराकरण भी किया जाएगा। जिला परियोजना समन्वयक रविन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि स्कूली बच्चों की अपार आईडी बनाने के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र के दिशा-निदेर्शों के तहत हर शनिवार को मेगा अपार आईडी दिवस मनाया जा रहा है। पालकगणों से इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने बच्चों की अपार आईडी बनवाने की अपील की गई है। उन्होंने बताया

कि अपार आईडी विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने में सहायक होगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम, समग्र रिपोर्ट कार्ड, छात्रवृत्ति संबंधी जानकारी, सीखने के परिणामों के साथ-साथ खेल, कला, सांस्कृतिक एवं अन्य सह-शैक्षणिक उपलब्धियों का भी डिजिटल रूप से संग्रह एवं संरक्षण किया जा सकेगा। इस कार्य के लिए विकासखंड स्तर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

टीबी, मलेरिया और एनीमिया मुक्त भारत के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : अराधना पटनायक

एजेंसी

धमतरी : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक अराधना पटनायक ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जिले में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना का विस्तृत आकलन किया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) तथा आयुष विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान अराधना पटनायक ने कहा कि टीबी,

मलेरिया, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, सिकल सेल और एनीमिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों के उन्मूलन एवं नियंत्रण के लिए सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार, जागरूकता और सतत निगरानी के माध्यम से इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने मीजल्स-रूबेला, एचपीवी और एमएमआर टीकाकरण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने, पात्र हितग्राहियों तक शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, पोषण सेवाओं और मातृ-शिशु स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करने पर बल दिया। बैठक में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, सिकल सेल एवं टीबी स्क्रीनिंग, कुपोषण नियंत्रण और जनजागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन विभिन्न विभागों के समन्वय से स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति, विभिन्न प्रमाणनों की तैयारी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए रणनीति पर भी चर्चा की गई। अराधना पटनायक ने सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनस्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए ।बैठक में संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव झा, राज्य क्षय रोग अधिकारी, एसपीएम एनएचएम डॉ. भरत राजपूत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

रेलवे की सिग्नल केबल चोरी करते दबोचा गया युवक, मैरवा स्टेशन पर आरपीएफ की कार्रवाई

सीवान : जिले के मैरवा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेल संपत्ति चोरी की कोशिश को विफल करते हुए रेलवे सुरक्षा बल ने एक युवक को चोरी की सिग्नल केबल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 25 हाथ लंबी 12-कोर सिग्नल केबल और केबल काटने में प्रयुक्त हेक्सा ब्लेड बरामद किया गया है। गिरफ्तार युवक गंगासागर यादव सीवान जिले के गुठनी थाने के मनचउर गांव का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम लगभग सात बजे मैरवा रेलवे स्टेशन पर रेल संपत्ति सुरक्षा एवं अपराध निरोधक ड्यूटी के दौरान उप निरीक्षक जयेंद्र कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल देवेंद्र गुप्ता तथा कांस्टेबल लक्ष्मण यादव प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान स्टेशन के पश्चिमी छोर स्थित पुराने मालगोदाम के समीप एक युवक सफेद प्लास्टिक के बोरे में भारी सामान लेकर जाता दिखाई दिया। संदेह होने पर आरपीएफ टीम ने उसे घेरकर पकड़ लिया और बोरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बोरे से लगभग 25 हाथ लंबी 12-कोर सिग्नल केबल तथा एक हेक्सा ब्लेड बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान युवक बरामद रेल संपत्ति के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या स्वामित्व का प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। रेलवे के संबंधित विभाग ने बरामद सिग्नल केबल की अनुमानित कीमत करीब 5 हजार रुपये आंकी है। मामले में आरपीएफ पोस्ट सीवान पर मुकदमा संख्या 06/26 दर्ज कर रेल संपत्ति अधिनियम की धारा 3 के तहत कार्रवाई की गई है। प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर मामले के अनुसंधान की जिम्मेदारी उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह को सौंपी गई है।

नगरपालिका भर्ती घोटाले में टीएमसी विधायक मदन मित्रा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक और पूर्व मंत्री मदन मित्रा से जुड़े सात परिसरों पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के बदले रिश्वत लेने के आरोपों की जांच की जा रही है। ईडी ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि मदन मित्रा ने विभिन्न नगरपालिकाओं, विशेष रूप से कमरहाटी नगरपालिका में अयोग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति कराने के बदले बिचौलियों के माध्यम से नकद और सोने के रूप में रिश्वत प्राप्त की थी। जांच एजेंसी ने कहा कि मदन मित्रा का संबंध ऐसी 125 से अधिक कथित अवैध नियुक्तियों से जुड़ा पाया गया है। इन नियुक्तियों में पात्रता मानकों की अनदेखी कर उम्मीदवारों को नौकरी दिलाने के आरोप हैं। ईडी ने बताया कि मामले में धन शोधन और कथित भर्ती अनियमितताओं के विभिन्न पहलुओं की जांच जारी है। छापेमारी के दौरान प्राप्त दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना है।

निजी सहायक की खोज में अभिषेक बनर्जी के घर पर हुई पुलिस की छापेमारी, आखिरी लोकेशन कालीघाट

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर शनिवार तड़के की गई पुलिस छापेमारी का मुख्य उद्देश्य उनके निजी सहायक सुमित राय की तलाश बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुमित राय के मोबाइल फोन की आखिरी टावर लोकेशन अभिषेक बनर्जी के घर पर मिली थी, जिसके आधार पर शालबनी थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। कोलकाता पुलिस ने शालबनी थाने की मदद की है। जानकारी के अनुसार, एक वित्तीय अनियमितता के मामले में पुलिस सुमित राय की तलाश कर रही है। हाल ही में भूमि भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार पूर्व विधायक सुजय हाजरा से पूछताछ के दौरान सुमित का नाम सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए उसके मोबाइल की लोकेशन खंगाली, जिसमें अंतिम संकेत अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास से मिला। इसी सूचना के आधार पर शालबनी थाना की एक टीम शनिवार तड़के करीब 3 बजे अभिषेक के पोटुआपाड़ा स्थित आवास पहुंची। पुलिस ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया और अंदर मौजूद लोगों को आवाज दी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर बाहरी दरवाजे का ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश किया। इसके बाद पूरे घर की तलाशी ली गई। करीब 5 घंटे तक चले तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को सुमित राय नहीं मिला। सुबह लगभग 8 बजे पुलिस टीम बिना किसी गिरफ्तारी के वहां से लौट गई। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी सुबह अभिषेक के आवास पहुंचीं। पुलिस कार्रवाई समाप्त होने के बाद वह वहां से रवाना हो गईं। उन्होंने मीडिया के समक्ष कोई टिप्पणी नहीं की। तलाशी के बाद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पुलिस ने ताला तोड़कर पूरे घर की तलाशी ली, लेकिन कुछ भी बरामद नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि पुलिस की पूरी कार्रवाई का रिकॉर्ड रखा गया है और इसे अनावश्यक उत्पीड़न बताया। उल्लेखनीय है कि अभिषेक बनर्जी इन दिनों कई मामलों जांचों का सामना कर रहे हैं। विधानसभा हस्ताक्षर जालसाजी मामले में हाल ही में सीआईडी ने उनसे लंबी पूछताछ की थी। इसके अलावा उन्हें 14 जून को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया है, जबकि 15 जून को प्राथमिक शिक्षक भर्ती अनियमितता मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होना है।

राजस्थान में बदला मौसम, 23 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, कई जगह गिरे ओले

जयपुर : राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम ने अचानक करवट ले ली है। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में शनिवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है, जबकि शुक्रवार देर रात तेज आंधी और बूंदाबांदी ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दिलाई। मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 23 जिलों में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रदेश में शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और चूरू सहित कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। श्रीगंगानगर और चूरू के कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई। बारिश और ओलों के कारण कई स्थानों पर तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान जयपुर, भरतपुर और बीकानेर संभाग में उमस भरा मौसम बना रहा, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिला। प्रदेश में सर्वाधिक तापमान जैसलमेर में 44.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा फलोदी में 43.8, फतेहपुर में 43, बाड़मेर में 42.7, बीकानेर में 42.4 और चूरू में 42.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। श्रीगंगानगर में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश हुई। कई क्षेत्रों में ओले गिरने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। चूरू जिले के सरदारशहर क्षेत्र में भी ओलावृष्टि हुई। वहीं हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, बूंदी और बारां जिलों में देर शाम बादल छाने के साथ हल्की बारिश हुई। जयपुर में शनिवार सुबह हल्की बारिश हुई, जबकि शुक्रवार रात चली आंधी और बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट आ गई। सीकर में रातभर हुई बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया। चित्तौड़गढ़ में दिनभर हवाएं चलने से गर्मी का असर कम रहा और तापमान में मामूली गिरावट दर्ज आ गई।

झारखंड में मानसून की धमाकेदार एंट्री

अगले तीन दिन होगी झमाझम बारिश, फिर लौटेगी भीषण गर्मी

संवाददाता

रांचीः झारखंड में लंबे इंतजार के बाद मानसून ने दस्तक दे दी है। इस बार मानसून करीब 12 दिनों की देरी से राज्य में पहुंचा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मानसून संताल परगना के रास्ते झारखंड में प्रवेश कर चुका है और फिलहाल राज्य में इसकी गतिविधियां सक्रिय हैं।

अगले तीन दिनों तक झमाझम बारिश के आसारः उन्होंने बताया कि अगले तीन दिनों तक राज्य के विभिन्न जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। कई क्षेत्रों में मध्यम से भारी वर्षा दर्ज की जा सकती है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को भीषण गर्मी तथा उमस से राहत मिलेगी।

मौसम विभाग ने इस दौरान लोगों को मौसम संबंधी अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह भी दी है।

तीन दिन बाद कमजोर पड़ सकता है मानसूनः अभिषेक आनंद ने कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति बेहतर रहने की उम्मीद है। हालांकि शुरूआती तीन दिनों के बाद मानसून की गतिविधियां कुछ कमजोर पड़ सकती हैं। इसके कारण राज्य में फिर से तेज धूप निकलने और तापमान बढ़ने की संभावना है। ऐसे में लोगों को एक बार फिर गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है।

जुलाई-अगस्त में दिखेगा मानसून का मुख्य असरः मौसम विभाग के अनुसार, मानसून का मुख्य दौर जुलाई और अगस्त महीने में देखने को मिलेगा। इन दोनों महीनों में मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना है, जिससे राज्य के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होगी। इससे कृषि कार्यों को भी लाभ मिलेगा और किसानों को खेती-किसानी के लिए पर्याप्त पानी मिलने की उम्मीद है।

सामान्य से बेहतर बारिश की उम्मीदः मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार झारखंड में सामान्य से बेहतर वर्षा हो सकती है। फिलहाल अगले तीन दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने से मौसम सुहावना रहेगा और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

एमएमसीएच पलामू की बदहाल व्यवस्था पर तत्काल हो कार्रवाई : हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगरः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमिटी के सदस्य एवं अधिवक्ता हृदयानंद मिश्र ने मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच), पलामू की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि करोड़ों रुपये की लागत से संचालित इस महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान की वर्तमान स्थिति आम जनता के लिए अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर मरीजों के लिए समुचित बेड, चादर, पंखा, व्हीलचेयर तथा बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। अस्पताल परिसर से सामने आ रही तस्वीरें और शिकायतें यह दर्शाती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में गंभीर कमियां मौजूद हैं। श्री मिश्र ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल के विभिन्न विभागों में अनुभवी चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित

स्वास्थ्यकर्मियों की कमी की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। एक मेडिकल कॉलेज अस्पताल से जिस स्तर की सेवाओं की अपेक्षा की जाती है, वहां मरीजों को उसके अनुरूप सुविधाएं नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही का सीधा असर गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों पर पड़ता है। पलामू, गढ़वा और लातेहार सहित आसपास के जिलों की बड़ी आबादी एमएमसीएच पर निर्भर है। ऐसे में अस्पताल की अव्यवस्था लाखों लोगों के स्वास्थ्य अधिकारों को प्रभावित कर रही है। हृदयानंद मिश्र ने झारखंड सरकार, स्वास्थ्य मंत्री, पलामू प्रमंडल के आयुक्त तथा पलामू उपायुक्त से इस मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने अस्पताल की समग्र व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कराने, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के रिक्त पदों को भरने तथा सभी आवश्यक चिकित्सा एवं आधारभूत सुविधाओं को अविलंब उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों का उद्देश्य लोगों को जीवन देना है, न कि उन्हें असुविधा और असुरक्षा के वातावरण में छोड़ देना। सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी मरीज की जान केवल व्यवस्था की खामियों के कारण संकट में न पड़े। श्री मिश्र ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो जनता का सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों से विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संबंधित अधिकारी इस गंभीर विषय पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एमएमसीएच की व्यवस्था में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करेंगे।

दिव्यांग बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन को लेकर जिला स्तरीय बैठक

उपायुक्त ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश

विनय मिश्रा

चक्रधरपुरः समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में 24 जून तक चलाए जा रहे दिव्यांग बच्चों के नामांकन हेतु विशेष अभियान के संबंध में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले का कोई भी योग्य दिव्यांग बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे तथा उनका हर हाल में विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षकों को निर्देशित किया कि घर-घर जाकर अथवा अन्य माध्यमों से ऐसे दिव्यांग बच्चों की पहचान करें जो अब तक विद्यालय से जुड़े नहीं हैं तथा उनका शीघ्र नामांकन सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने दिव्यांग बच्चों के लिए बनाए जाने वाले यूआईडी कार्ड की प्रगति की भी समीक्षा की। इस संबंध में सिविल सर्जन को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि यूआईडी कार्ड निर्माण की प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ बनाया जाए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का यूआईडी कार्ड बनवाने हेतु सदर अस्पताल में संपर्क करें। साथ ही सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अन्य स्थानों पर भी यूआईडी कार्ड निर्माण की व्यवस्था विकसित करने पर चर्चा की गई।

बैठक में दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराए जाने वाले व्हीलचेयर सहित अन्य सरकारी सुविधाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र बच्चों को समय पर सभी प्रकार के सरकारी लाभ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने विद्यालयों में दिव्यांग अनुकूल आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर बल देते हुए शौचालयों में रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि दिव्यांग बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त ने कहा कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रत्येक दिव्यांग बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग बच्चों की संख्या राष्ट्रीय औसत की तुलना में कम है, इसलिए इस विशेष नामांकन अभियान के माध्यम से विद्यालय से बाहर रह गए सभी दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही समाज में दिव्यांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं अभिभावकों को बच्चों के नामांकन के लिए प्रेरित करने पर भी विशेष बल दिया गया।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसबीआई हुसैनाबाद की संवेदनहीनता पर उठे सवाल

कल आइये... और एक बीमार बुजुर्ग की खत्म होती उम्मीदें

चेकबुक के लिए दर-दर भटक रहे है हार्ट और किडनी के मरीज

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद/पलामूः संत कबीर की प्रसिद्ध उक्ति बरसे कंबल तो भीगे पानी इन दिनों भारतीय स्टेट बैंक की हुसैनाबाद मुख्य शाखा (कोड-02947) पर पूरी तरह चरितार्थ होती नजर आ रही है। बैंक और डाक विभाग की लापरवाही के बीच एक गंभीर रूप से बीमार वरिष्ठ नागरिक पिछले कई दिनों से अपनी ही चेकबुक पाने के लिए भटकने को विवश हैं, लेकिन उन्हें हर बार केवल एक ही जवाब मिल रहा है– कल आइये ।

मामला बैंक ग्राहक उदय प्रकाश झा से जुड़ा है, जिन्होंने अप्रैल माह में डिजिटल बैंकिंग सेवा के तहत चेकबुक के लिए आवेदन किया था। डाक विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार स्पीड पोस्ट स ा ं ख ट ा ा जेबी334950161आई एन7 अप्रैल को जपला एसओ पहुंची, वहां से देवरी शाखा डाकघर भेजी गई, फिर वापस जपला एसओ लौटी और अंततः एसबीआई हुसैनाबाद शाखा में जमा करा दी गई।

विडंबना यह है कि जिस बैंक कर्मी ने बैंक की मुहर और

हस्ताक्षर के साथ चेकबुक प्राप्त की, उसने प्राप्ति की तारीख दर्ज ही नहीं की। अब जब ग्राहक अपनी चेकबुक मांगने बैंक पहुंच रहे हैं तो उनसे ही रिसीविंग की तारीख पूछी जा रही है। सवाल यह है कि जब चेकबुक बैंक के कब्जे में है तो उसकी जिम्मेदारी ग्राहक की कैसे हो सकती है ?सबसे मार्मिक पहलू यह है कि उदय प्रकाश झा कोई सामान्य ग्राहक नहीं हैं। वे हार्ट और किडनी दोनों की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। उनके हृदय में पेसमेकर लगा हुआ है और किडनी प्रत्यारोपण की प्रक्रिया चल रही है। उम्र के इस पड़ाव पर, भीषण गर्मी में बार-बार बैंक का चक्कर लगाना उनके लिए किसी सजा से कम नहीं है।

परिजनों का कहना है कि पिछले कई दिनों से बैंक के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें चेकबुक नहीं मिल रही है। बैंक कर्मी हर बार उन्हें टालते हुए केवल कल आइये कहकर वापस भेज देते हैं। लेकिन एक गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति के लिए हर नया दिन किसी चुनौती से कम नहीं होता। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या बैंक प्रशासन को अपने ग्राहकों की मानवीय परिस्थितियों का कोई एहसास है ?

गुरुवार को जब उदय प्रकाश झा पुनः बैंक पहुंचे तो शाखा प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि बैंक में ऑडिट चल रहा है और चेकबुक की तलाश की जा रही है। वहीं बैंक परिसर में प्रदर्शित क्षेत्रीय प्रबंधक सह नियंत्रक पदाधिकारी राजेश कुमार साहा के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन उठाने वाले व्यक्ति ने उसे लैंडलाइन नंबर बताते हुए कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। स्थिति तब और चिंताजनक हो गई जब ग्राहक ने बैंक में मौजूद क्षेत्रीय प्रबंधक से मिलने की इच्छा जताई। बैंक में तैनात गार्ड ने यह कहकर मिलने से रोक दिया कि उनसे मुलाकात की अनुमति नहीं है।

पूरे घटनाक्रम ने बैंकिंग व्यवस्था की कार्यशैली और ग्राहक सेवा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का वह संदेश कि ग्राहक ही बैंक का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है, बैंक ग्राहकों से है, ग्राहक बैंक से नहीं आज केवल दीवारों पर टंगे बोर्डों तक सीमित दिखाई देता है।हकीकत यह है कि डाक विभाग और बैंक कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा एक ऐसे वरिष्ठ नागरिक को भुगतना पड़ रहा है, जो जीवन और बीमारी से रोज लड़ाई लड़ रहे हैं। सवाल केवल एक चेकबुक का नहीं है, बल्कि उस संवेदनशीलता का है जिसकी अपेक्षा आम नागरिक देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक से करता है।अब देखना यह है कि बैंक प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित ग्राहक को राहत देता है या फिर कल आइये का सिलसिला यूं ही जारी रहता है। इस संबंध में ग्राहक श्री झा का कहना है कि अब वह इस मामले को लेकर उपभोक्ता फोरम में मुकदमा दर्ज करेंगे।

प्रेमी के सामने प्रेमिका के साथ दुष्कर्म का प्रयास चकमा देकर भागे दोनों,दोनों आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़ः जिले के बासल पुलिस ने दो युवकों को युवती से दुष्कर्म की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया। भुरकुंडा के जयप्रकाश नगर के रहले वाले 30 वर्षीय मनोज कुमार और कुरसे बस्ती के रहने वाले 30 वर्षीय कृष्णा कुमार तुरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों पर एक लड़की से दुष्कर्म की कोशिश करने का आरोप है।

प्रेमी-प्रेमिका को सुनसान इलाके में पकड़ाः दोनों आरोपियों ने एक बाइक पर सवार प्रेमी और प्रेमिका को भुरकुंडा से पतरातु की ओर जाते हुए देखा और उसका पीछा करना शुरू किया। रात करीब 8.15 बजे जैसे ही दोनों अपराधी जीरो प्वाइंट मुरकट्ठी के पास पहुंचे तो उसने देखा कि प्रेमिका बाइक से नीचे उतर गई और प्रेमी बाइक पर ही बैठा हुआ है। इसके बाद दोनों आरोपी प्रेमी-प्रेमिका के पास पहुंचे और अवैध संबंध बनाने की जिद्द करने लगे। इसी बीच आरोपियों ने बाइक की चाभी छीन ली। आरोपियों ने प्रेमी-प्रेमिका से पहले नाम-पता पूछा फिर अवैध संबंध बनाने को लेकर जिद्द करने लगे। आरोपियों ने प्रेमी से कहा कि हमें अवैध संबंध बनाने दो, तुम भी बना लेना अवैध संबंध।

जब प्रेमी इसके लिए तैयार नहीं हुआ तो आरोपियों ने लड़की को अपने बाइक पर बैठाने की कोशिश की। इसी बीच प्रेमी-प्रेमिका को लेकर भागने लगा। आरोपियों ने बाइक से उसका पीछा करना शुरू किया। खेत और अंधेरे का फायदा उठाकर प्रेमी-प्रेमिका वहां से भागने में कामयाब हो गए। दोनों आरोपियों ने बासल थाना क्षेत्र अंतर्गत जिन्दल पार्किंग के बॉउंड्री वाल के पीछे मदनाटांड जाने वाले कच्चे रास्ते से करीब 20 मीटर दूर जंगल में प्रेमी के बाइक नं0- बीआर25एफ 8899 को छुपा दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने मनोज कुमार और कृष्णा कुमार तुरी को गिरफ्तार किया इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कांड में इस्तेमाल दो बाइक, दो मोबाइल और चार हेलमेट का बरामद कर लिया है।

खरसावां में अशोक फाउंडेशन की पहल, जर्जर सड़क की मरम्मत से ग्रामीणों को राहत

सरायकेला/ खरसावांः खरसावां स्थित अशोक फाउंडेशन की पहल पर बोरडा से बुड़ीतोपा काली मंदिर तक सड़क की मरम्मती और गड्ढे भरना का काम कराया गया। सड़क पर मिट्टी डालकर उसे समतल बनाया गया, जिससे क्षेत्र में आवागमन सुगम और सुरक्षित हो गया है। यह सड़क पूरी तरह से जर्जर अवस्था में थी। जगह-जगह गड्ढे होने के कारण राहगीरों, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बारिश में बढ़ जाती थी परेशानीः बारिश के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

अशोका फाउंडेशन ने कराया सड़क मरम्मत कार्यः सड़क की खराब स्थिति को देखते हुए अशोका फाउंडेशन ने खुद पहल करते हुए अपने संसाधनों से मरम्मत कार्य कराया। सड़क को दुरुस्त किए जाने के बाद अब लोगों को आने-जाने में काफी सुविधा हो रही है । सड़क सुधार से ग्रामीणों को राहतः स्थानीय ग्रामीणों ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अशोक फाउंडेशन द्वारा की गई त्वरित पहल से लोगों को बड़ी राहत मिली है।

मां बगलामुखी मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

निधि पाठक

रांची : किशोर गंज में अवस्थित मां बगलामुखी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के समय भक्तजनों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मंदिर के पुजारी द्वारा विशेष पूजा अर्चना के पश्चात भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। यूं तो मां की पूजा अर्चना में रोज ही भक्तजन आते हैं किंतु गुरुवार के दिन मां के दरबार में भक्तजनों और श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ती है।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण को लेकर 14 जून को सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा विशेष कैंप

मेदिनी नगर : आगामी मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर 76-डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर रविवार, 14 जून 2026 को विशेष कैंप का आयोजन किया जायेगा। यह कैंप मतदान केंद्र स्तर पर लगाया जायेगा, जहां वर्तमान मतदाता सूची का वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग कार्य किया जा रहा है। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मेदिनीनगर सुलोचना मीणा द्वारा जारी आदेश के अनुसार उक्त कार्य को निर्धारित समय सीमा तक पूर्ण किया जाना है। इसी उद्देश्य से सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर कैंप आयोजित कर छूटे हुए मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सदर एसडीएम ने क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे 14 जून को अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची से संबंधित जानकारी का सत्यापन कराएं तथा यदि किसी योग्य मतदाता का नाम छूट गया हो तो उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं।

तेतरिया में वर्षो से बंद पड़ा सड़क हुआ अतिक्रमण मुक्त, प्रशासन की मौजूदगी में कार्रवाई

जनता ने मीडिया और सीओ को दिया धन्यवाद

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के तेतरिया गांव में सैकड़ों वर्षों से बंद सड़क को आखिरकार प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त कर दिया है। जिससे लोगों को राहत मिली है। ज्ञात हो की सैकड़ों वर्षों से ग्रामीणों के सड़क को अवैध कब्जा किया गया था। जिससे ग्रामीण पीएम श्री उच्च विद्यालय तेतरिया परिसर के बीचों बीच से पार कर रहे थे। लेकिन अचानक विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा बाउंड्री के खोदे गए गड्ढे के बाद आवागमन बाधित हो चुकी थी, बाइक भी गांव तक नहीं पहुंच पा रही थी। वहीं बाउंड्री हो जाने से

ग्रामीणों का पूरा आवागमन बाधित हो जाता। 1 जून को इसी गांव के ही 70 वर्षीय वृद्ध डोमन पासवान की मौत के बाद ग्रामीणों ने शव को कंधे में रखकर सड़क के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। ग्रामीणों के विरोध के बाद अखबार ने इस खबर को प्रमुखता से दिखाया। खबर के बाद जिला

खबर का हुआ असर

प्रशासन हरकत में आया और स्कूल की पीछे सड़क की अवैध कब्जा को अतिक्रमण मुक्त करवाया।इससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। इस खबर को 2 जून को अखबार ने छापा था, जिसके बाद हंटरगंज अंचलाधिकारी रितिक कुमार ने 11 दिनों के भीतर ही सड़क को अतिक्रमण मुक्त करवा दिया। स्थानीय लोगों ने खबर के असर को लेकर अखबार को धन्यवाद कहा है। स्थानीय निवासी रमेश पासवान ने अखबार को धन्यवाद देते हुए कहा कि सड़क को लेकर 3 पीढ़ियों से हमलोग जंग लड़ रहे थे। आज जाकर सड़क अतिक्रमण मुक्त हुआ है और इसका श्रेय मीडिया को जाता है। मीडिया में सड़क ना होने की खबर को प्रमुखता से दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि खबर लगने के बाद जिला प्रशासन जागा है और उसने सड़क अतिक्रमण को मुक्त करवा दिया है। इसके अलावा ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने हंटरगंज अंचलाधिकारी रितिक कुमार को भी धन्यवाद दिया है क्योंकि उन्होंने भी इस मामले को संज्ञान में लेते हुए घटना स्थल पर पहुंचकर अवैध कब्जा किए हुए सड़क को अतिक्रमण मुक्त करवाया।